Shrimad Ramayanm - अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

कांडः-अयोध्या कांड-- प्रश्न और उत्तर

526. भरत की माता कौन है? जे. युधिष्ठिर

527. भरत अपने चाचा के घर जाते समय किसे अपने साथ ले गया था? जे. दुश्मन।

528. सपना क्या है?
जे. सपने में गड़गड़ाहट और बिजली की आवाजें सुनाई दीं।

529. दास का क्या विचार था?
जे. उन्होंने राज्य की बागडोर राम को सौंपने का फैसला किया।

530 है। दशरथ ने भगवान राम को लाने के लिए किसे कहा था?
जे. सुमंत के लिए

531. राज्याभिषेक से एक रात पहले भगवान राम कहाँ सोए थे?
जे. भगवान राम अपनी पत्नी सीता के साथ दरभंगा से बनी चटाई पर सोते थे।

532 भगवान राम के राज्याभिषेक से किसे जलन हुई थी? जे. मन्थरा

533. तिल कौन है?
जे. दशरथ की पत्नी कैकेयी की दरबारी नौकरानी।

534. मंत्र कैकेयी दरबार तक कैसे पहुँचा?
जे. मुझे नहीं पता कि वह कहाँ है। वह नहीं जानती कि उसके माता-पिता कौन हैं। चलो एक रिश्तेदार बनें। वह हाथ जोड़ कर रो पड़ा।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm - अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

535. भालू ने क्या कहा?

जे. उस समय को देखकर जब भरत नहीं है, राम ताज पहना रहे हैं। राम के बाद राम के पुत्र राजकुमार बन जाते हैं। मन्थर ने कैका से कहा कि वह राम को ताज पहनाया जाने से रोके क्योंकि भरत कभी राजा नहीं होगा।

536. इस सवाल का जवाब क्या था?

जे. मुझे नहीं लगता कि राम भारत हैं। कैकेयी ने मंथार से कहा कि भले ही राज्याभिषेक राम के पुत्र भरत के समान हो, क्या राम के शासनकाल के बाद भरत राज्य पर शासन करेंगे?

537. मंथारा के मन में बुरे विचार आने पर कैकेयी ने उनसे क्या कहा?

जे. "तुम मुझे और मेरे बेटे को इस गंदगी से बाहर निकालने के लिए क्या करने जा रहे हो? उसने पूछा।

538. कैकेयी को मंतरा की क्या सलाह थी?

जे. उन्होंने दशरथ को दो वरदान मांगने की सलाह दी।

539. इच्छाएँ क्या हैं?

जे. राम को चौदह साल तक बांधकर लिनन में दंडकारण्य के पास भेजा जाना चाहिए। आपके बेटे के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए।

540 है। कौन राम के राज्याभिषेक में बाधा डालना चाहता था?

जे. देवताओं

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

541. देवता कौन राम के राज्याभिषेक में बाधा डालना चाहते थे?

जे. सरस्वती

542. देवता राम के राज्याभिषेक में बाधा क्यों डालना चाहते थे?

जे. वह राम के राज्याभिषेक को रोकना चाहते थे ताकि राम को जंगलों में भेजा जा सके और देवताओं का काम पूरा किया जा सके।

543. ये शब्द पहले मंथार से और फिर कैकेयी से किसने बोले?

जे. सरस्वती

544. किस मामले में दशरथ ने कैकेयी को दो वरदान दिए थे?

जे. देवासुर के युद्ध के दौरान, दशरथ ने कैकेयी से अपने दुश्मनों से बचाने के लिए दो वरदान मांगे।

545. दशरथ ने देवासुर के युद्ध में भाग क्यों लिया?

जे. देवेंद्र ने युद्ध में दशरथ की मदद मांगी और दशरथ ने युद्ध में भाग लिया।

546. कैकेयी ने किस बिंदु पर दशरथ को बचाया?

जे. रात के दौरान, शंभू ने उन सैनिकों को मार डाला जो सो रहे थे और युद्ध में घायल हो गए थे। फिर उसके साथ लड़ाई हुई। लड़ाई में वह घायल हो गया। थका हुआ है। वह बेहोश हो गया।
यह देखकर कैकेयी ने चतुराई से रथ को युद्ध के मैदान से हटा दिया। ले जाया गया। दशरथ को राहत मिली। घाव भर गए।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm - अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

547. कैकेयी ने कहा कि अगर राम को ताज पहनाया जाता है तो वह क्या करेंगी?

जे. क्या राम को ताज पहनाया गया है? मैं अब अपनी आँखें बंद नहीं करता। मैं शरीर को नहीं छूता। चावल खाएं। पानी न पिएं मैं लेट जाता हूँ और मौत को आमंत्रित करता हूँ। "कैकेयी ने कहा।

548. मंथारा से बात करने के बाद कैकेयी कहाँ गया?

जे. उसने अपना वस्त्र उतार दिया, कपड़े का एक टुकड़ा पहन लिया और फर्श पर सो गया।

549. दशरथ ने कैकेय को जमीन पर लेटे हुए देखकर क्या कहा?

जे. दशरथ ने कैकेय से कहा........ कैकेय, क्या तुम्हें कोई बीमारी है, क्या तुम बीमार हो, हमारे राज्य में कई महान डॉक्टर हैं, मैं उन सभी को बुलाऊंगा। "उन्होंने कहा।

550.। कैकेयी ने दशरथ से क्या कहा?

जे. "अगर मैं आपको बताता हूं कि मुझे क्या चाहिए, तो आप कहेंगे कि आप ऐसी इच्छा चाहते हैं, इसलिए अगर मैं पहले अपनी इच्छाओं को पूरा करने की कसम खाता हूं, तो मैं आपको बताऊंगा कि मुझे क्या चाहिए। "कया ने कहा।

551. कैकेयी की इच्छाओं को पूरा करने के लिए दशरथ किस पर भरोसा करते हैं?

अमरनाथ अमर

जे. दशरथ भगवान राम की इच्छाओं को पूरा करने वाले हैं।

552. कैकेयी दशरथ की दो इच्छाएँ क्या थीं?

जे. उन्होंने कहा, "भगवान राम की पूजा तुरंत बंद की जानी चाहिए। वहाँ मेरे बेटे भरत को ताज पहनाया जाना चाहिए। यह मेरी पहली इच्छा है। इस पर, जमीन हिल गई और दशरथिनी को लगा कि वह रसातल में गिर रही है। "यह मेरा दूसरा प्रयास है। श्रीराम को लिनन की साड़ियां, हिरणों की खाल और पगड़ी पहनकर दंडक में चौदह साल का वनवास बिताना चाहिए। तुम्हें जीना ही होगा।"

553. कैकेयी राम के 14 साल तक जंगल में जाने का क्या कारण था?

जे. त्रेता युग धर्म के अनुसार, एक व्यक्ति जो 14 साल से राज्य से दूर है, वह फिर से राजा नहीं बन सकता है, इसलिए कैका ने राम को 14 साल के लिए जंगल में जाने के लिए मजबूर किया।

554. कैकेयी के वरदान मांगने के बाद दशरथ को क्या याद आया?

जे. केकई ने राजा से उसे देने और उससे शादी करने की विनती की। तब राजा को केकाया राजा द्वारा लगाए गए प्रतिबंध का एहसास हुआ। "अगर आप उससे शादी करना चाहते हैं, तो आपको शपथ लेनी चाहिए कि आप उसके इकलौते बेटे को राज्य देंगे। "दशरथ ने शपथ ली। वह इसके मालिक थे। ये बातें दिमाग में आईं।

555. कैकेयी की इच्छाओं को सुनकर दशरथ ने क्या कहा?

जे. 'कुछ तो है भाई! क्या आप यही चाहते हैं? आप इसे कितना मुश्किल से चाहते हैं! लेकिन यह आपका दिमाग नहीं है। आपके पास उस तरह की बुद्धि नहीं है। अगर आप मेरे सामने इतने शब्द बोल रहे हैं, तो आपके साथ ऐसा किसने किया है? बताइए, यह किसने किया? "दशरथ ने कहा।

556. बयान पर क्या प्रतिक्रिया है?

जे. "मैंने राजा से पूछा! आप इससे कितना कमाते हैं? यह आपके लिए नहीं है। आप मुझ पर अन्याय का आरोप कैसे लगा सकते हैं और दस लोगों के साथ मेरा न्याय कैसे कर सकते हैं? यहाँ एक शब्द है, है ना? यह आप नहीं हैं, यह मैं नहीं हूं। शिबी चक्र ने प्रतिज्ञा के मुख्य भाग को अस्वीकार कर दिया। एलार्क नेत्र दान करके महान बन गए। आप तय करें कि आप उस श्रेणी से संबंधित हैं या नहीं। "उन्होंने कहा।

557. कैका ने क्या कहा जब उन्हें लगा कि दशरथ उनके खिलाफ फैसला करेंगे?

जे. "मूर्ख! अगर तुम कल राम का मुकुट पहनोगे, तो मैं तुम्हें देखते ही जहर से मर जाऊंगा। इसके अलावा, मैं इन हाथों से कौसल्या के सामने नहीं झुकता। मैं उसे राजा के रूप में स्वीकार नहीं करता। मेरे शब्दों को तूल न दे। मैं सच कह रहा हूँ। मैं भरत की कसम

खाता हूँ कि यदि रामभिषेक किया जाता है, तो आप मेरी लाश देखेंगे। "दशरथ ने फिर से होश खो दिया, अपने हाथ झुकाए और उस शब्द पर रोए।

558. उसे क्या पसंद आया?

जे. "कल रात क्या हुआ? अगर बुजुर्ग आपसे पूछें कि आप ऐसा क्यों कर रहे हैं, तो उन्हें बताएं कि आप क्या कर रहे हैं? यह सच है कि मैंने आपको उपहार दिए हैं, और आप उन्हें पूरा कर रहे हैं, फिर भी वे सोचते हैं कि यह झूठ है। यह गलत है। नहीं नहीं नहीं। कल... एक शब्द... राजा कुछ नहीं बोलता। लोग ऐसे व्यक्ति का सम्मान नहीं करते हैं। "दास ने कहा।

559. जब आपने दशरथ के शब्द सुने तो आपने क्या किया?

जे. मैं शब्दों को सहन नहीं कर सका। यह बर्दाश्त करने में असमर्थ, उन्होंने एक खाली बोतल निकाली और उसे फर्श पर फेंक दिया। ज़ोर की आवाज़ हुई। वह दीवार के पास गया और ऊपर चढ़ गया। अधिक विनम्र। बंद कर दिया। वह अपने व्यवहार को बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी।

560. है। कैकेयी की हरकत से नाराज कैकेयी से दशरथ ने क्या कहा?

जे. "मूर्ख! आप अपनी माँ को अपने बेटे के बारे में क्या कहते हैं? आप उसे सांत्वना देने के लिए क्या कहते हैं? ऐसा नहीं होगा कि

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

561. वशिष्ठ को दशरथ को बुलाने के लिए किसने कहा?

जे. सुमंत के लिए

562. सुमंत्र को किसने बताया कि दशरथ क्रोध के घर में हैं?

जे. मन्थरा

563 है। सुमंत्र ने दशरथ को क्या कहा था?

जे. "राजेंद्र! सफेद। गुड मॉर्निंग ", उन्होंने कहा। अंदर से कोई जवाब नहीं आया। "महाराज! अभिषेकम, वसिष्ठ, मंत्री के जागीरदारों की तैयारी के साथ, नगरवासी आपका इंतजार कर रहे हैं। जल्दी आओ और स्नान करो। कोई जवाब नहीं। ज्यादा बोलना ठीक नहीं है। वह वहाँ से जाना चाहता था। वह पीछे मुड़ गया।

564. क्रोध के घर से निकलते हुए सुमंत्र को किसने बुलाया?

जे. हाथ का

565 .है। मां ने क्या कहा?

जे. "सौमेन! अब तक मैंने और महाराजा ने केवल रामभिषेकम की बात की है। राजा को अभी-अभी नींद आई थी। अच्छी नींद लें। "उन्होंने कहा।

566. है। तुम्हें किसने कहा कि उसे अपने साथ ले जाओ?

जे. श्री राम

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

567. है। उसके साथ कौन था?

जे. राम सुमंत्र के साथ बाहर गए। लक्ष्मण राम के साथ चले गए, और बाकी भीड़ उनके साथ चली गई।

568. राम को किसने बताया कि दशरथ क्रोध के घर में हैं?

जे. मन्थरा

569 है। क्रोध के घर में आने के बाद राम ने सबसे पहले क्या किया?

जे. राम ने सबसे पहले दशरथ को प्रणाम किया। इसके बाद वह अपनी मां के पास खड़ा हो गया।

570 है। दशरथ ने राम के आह्वान का जवाब कैसे दिया?

जे. राम। "पिता", उसने कहा। दशरथ ने कॉल का जवाब दिया। "राम ने कहा। एक पल में, वह राम का चेहरा नहीं देख सका। वह अपने पिता के व्यवहार से हैरान था।

571. राम इतना क्यों डरते थे?

जे. पिता फोन कर रहे हैं। एक ऐसा पिता क्यों होता है जो अभिवादन करने पर अभिभूत हो जाता है, एक पिता जो उसे देखकर गले लग जाता है, एक पिता जो हमेशा खुश रहता है, चाहे वह कितने भी शाही मामलों में शामिल हो, चाहे वह कितना भी काम के दबाव में क्यों न हो? तुम उदास क्यों हो? राम हैरान रह गए। ऐसा लगा जैसे उसके पैर के नीचे कोई सांप रेंग रहा हो। वह डर गया।

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

572. उसने क्या माँगा?

जे. 'मां! मेरे पिता क्यों? क्या बात है? क्या मेरे साथ कुछ गड़बड़ है? "उसने मुँह नहीं खोला। "क्या वह बीमार नहीं है? "राम चिंतित था। इसके बाद भी उसका मुंह नहीं हिल रहा था। "क्या आपने भारत शत्रुघ्न के बारे में कोई बुरी खबर सुनी है? क्या बात है? मेरे पिता क्यों? "राम को गुस्सा आता है।

573. राम्या की क्या प्रतिक्रिया थी?

जे. 1. "नैना! तुम्हारे पिता को किसी के प्रति कोई गुस्सा या द्वेष नहीं था। उन्होंने भारत शत्रुघ्न के बारे में कोई बुरी खबर नहीं सुनी। और क्या? "यह मैं आपको बताना चाहता हूँ। नहीं कहा जा सकता। आप उनके लिए हैं। वे जीवन का दर्द सहन नहीं कर पाते हैं। "यही तो है।
2. मेरे पिता ने मुझे बहुत पहले दो किताबें दी थीं। अब मैंने उन वादों को पूरा किया है। वह कहता है कि वह रोना बंद नहीं कर सकता। क्या यह अच्छा है? "काये ने पूछा।

574. उसने क्या माँगा?

जे. "अगर तुम मुझे अपने पिता की आज्ञा का पालन करने का वचन दोगे, तो मैं तुम्हारे पिता से जो चाहूँगा वही दूँगा।

575 राम ने कैका से क्या कहा?

"भगवान राम ने कहा," "अगर मेरे पिता आदेश देंगे, तो मैं इसी क्षण इस शरीर को जला दूंगा।"

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

576. इन शब्दों को सुनकर दशरथ ने क्या किया?

जे. जब कैका ने राम से ये शब्द कहे, तो दशरथ ने अपना सिर झुकाया और कहा, "ची"।

577. उन्होंने अपने शब्दों को कैसे उचित ठहराया?

जे. "हे राम! अतीत में, जब आपके पिता ने सांभरासुर से लड़ाई की थी, तो वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मूर्खतापूर्ण। उस समय मैंने रथ को युद्ध के मैदान से बाहर निकाला और तुम्हारे पिता को बचाया। चोटों के लिए मेरा इलाज किया गया। मेरे पिता ने मुझे दो उपहार दिए। उसने कहा कि वह चाहता है। जब मुझे इसकी आवश्यकता होती है तो मैं इसे चाहता हूं। अब इसकी जरूरत है। मैं चाहता था। गलत? "यही तो है।

578. कैका ने राम को अपने वरदान कैसे दिए?

जे. "पहला वरदान भरत को राजकुमार बनाना है। "यही शब्द है", दरवाजे के पास खड़ी मंधरा ने कहा। "यह मेरा दूसरा वाकया है। आपको चौदह साल तक जंगल में रहना होगा। इस समय आपको यह देश छोड़ना होगा। "बोलो! मेरे दो सवालों का जवाब क्या है? "रमन ने पूछा।

579 है। राम की क्या प्रतिक्रिया थी?

जे. "भाई भरत राजकुमार बन जाता है। राम ने कहा, "मैं आपकी इच्छा के अनुसार जंगल जाऊंगा।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

580. है। कैका के प्रस्ताव को राम द्वारा स्वीकार किए जाने पर कैका की क्या प्रतिक्रिया थी?

जे. राम के शब्द प्रशंसनीय थे। मंदिरा खुश थी। "मुझे पता है कि तुम तैयार हो। तुम्हारे पिता रो रहे हैं, पैसे देने में असमर्थ हैं।

581. राम ने क्या कहा?

जे. भगवान राम ने कहा, "माँ राज्य पर शासन करने में सक्षम है, भाई राज्य पर शासन करने में सक्षम है।"

582. कैकेयी को क्यों पीड़ा हुई?

ए. कैकेयी को कुछ भी कहने की उम्मीद नहीं थी, न ही उन्होंने कुछ कहा। हालांकि उनका दिल धड़क रहा था, लेकिन उनका सिर नहीं उठाया गया था, उनके दिल में आग लगी हुई थी। हाथ बंधे नहीं थे। वैसा ही है। वैसा ही है। यही भक्ति है। जैसे ही उन्होंने राम को देखा, उन्हें दुख हुआ। आंखें नम हो गईं। अपने हाथों को आसानी से एक साथ रखें। "हे राम! तुम ही हो। " हाथ कांप रहा है।

583. है। मन्थरा ने कैका का क्या किया?

मुझे डर था कि कहानी बंद हो जाएगी। उन्होंने अपना हाथ दिखाई दिया। उन्होंने उसे तुरंत जाने के लिए कहा।

584 है। कैका ने राम से क्या कहा?

"जो तुम्हारे पिता कहते हैं वही करो। अपने माता-पिता में सबसे पहले बनें। जाओ '।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

585. राम जो कह रहे हैं उसे सुनने के लिए बाहर कौन खड़ा है?

लक्ष्मण

586. अंत में, राम ने कैका से क्या पूछा?

उन्होंने कहा, "मुझे अपनी मां का आशीर्वाद चाहिए। मुझे अपनी पत्नी सीता को भी सांत्वना देने की जरूरत है। कृपया मुझे कुछ समय दें। मैं जाकर तुम्हें आशीर्वाद दूंगा ", राम ने कैका से प्रार्थना की।

587. जब राम क्रोध के घर से बाहर आए तो वे कहाँ गए?

वह अपनी मां के घर गया।

588. कौसल्य के मंदिर में राम के साथ कौन गया था?

लक्ष्मण

589. कौसल्य ने राम के लिए किसकी पूजा की थी?

श्री विष्णु।

590 है। जब राम उनके मंदिर में आए तो कौसल्य ने उनसे क्या कहा?

"हे राम! मुझे बहुत खुशी है कि आपको क्राउन प्रिंस के रूप में ताज पहनाया जा रहा है, आप भी हमारे राजवंश में पैदा हुए कई महान लोगों की तरह प्रसिद्धि अर्जित करें।

591. राम ने कौसल्या से क्या कहा?

राम ने एक बार आसन को छुआ और कौसल्य से कहा, "अम्मा! मेरे पास बैठने का समय नहीं था, मेरे पिता ने कहा कि वह भारत का ताज पहना देंगे और मुझे 14 साल तक वनवासी बना देंगे।

अमरनाथ अमर

इसलिए मैं जा रहा हूँ। मुझे धागे से बनी कुर्सियों पर बैठना चाहिए, लेकिन ऐसी चीजों पर नहीं। मैं आपका आशीर्वाद लेने आया हूं।

592. राम के शब्दों को सुनकर कौसल्या ने अपनी पीड़ा कैसे व्यक्तकी?

"यह मेरे पिता हैं! काश तुम मेरे गर्भ में पैदा नहीं होतीं। बेहतर होता अगर मैं रुक जाता। आपने ऐसा कितनी बार और कितनी बार किया है? क्या आप जंगली होना चाहते हैं? खड़ा नहीं हो सकता! मैं इस दर्द को बर्दाश्त नहीं कर सकता। राम ने उसे सांत्वना दी। "मैं आपको देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता! क्या यह संभव है कि मैं आपको 14 साल तक न देख सकूं? "कौसल्या ने पूछा।

593. कौसल्य ने राम से क्या पूछा?

"पिताजी, अगर आप जंगल में जाते हैं, तो क्या मैं यहाँ रह सकता हूँ? क्या तुम मुझे यहाँ रहने दोगे? मेरे पिता जी! मैं तुम्हारे साथ जंगल जाऊंगा। मुझे भी ले लो! मैं बछड़े की तरह तुम्हारे साथ रहूंगा।

594. लक्ष्मण ने कौसल्य को क्या बताया?

जे. "प्यारी! ये महान गुण हैं। वह अपने भाई के लिए खुद को कुर्बान कर देती है। उसकी बात मान कर बड़े भाई के जंगल में जाना गलत है, मैं सहमत नहीं हूं। राजा बूढ़ा हो गया था। वह जाल में फंस गया। वह गिर जाता है, वह खेलते हुए खेलता है और उसके भाई को दंडित करता है। राम का क्या दोष है? उसने क्या पाप किया है? किस पर हमला किया गया? "लक्ष्मण ने पूछा।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

595. लक्ष्मण ने राम से क्या करने को कहा था?

जे. "भाई! आइए हम वचन और राज्य को अपने अधिकार में ले लें, इससे पहले कि दस आपके जंगल के निवास को जान लें। वह आपके सामने खड़ा भी नहीं हो सकता। यदि आप एक तीर चलाते हैं, तो न केवल पिता, बल्कि दादा से भी डरें! मैं तुम्हारे साथ हूँ। राम को आश्चर्य हुआ जब लक्ष्मण ने कहा कि राज्य में ऐसा कोई नहीं है जो हम दोनों को जीत सके, मेरी बात सुनो, युद्ध का शब्द।

596. लक्ष्मण की बातें सुनकर कौसल्य ने क्या कहा?

"हे राम! मैं आपके साथ, आपके साथ या आपके बिना नहीं रह सकता। अगर मैं तुम्हारे साथ जंगल जाऊंगा, तो मुझे वही दो जो तुम खाते हो। या सोचिए कि लक्ष्मण ने क्या कहा था। एक बच्चे को अपनी माँ की बात उतनी ही सुननी चाहिए जितनी वह अपने पिता की सुनता है। एक माँ के रूप में मैं आपको अनुमति नहीं देती, लेकिन एक पिता के रूप में मैं आपको अनुमति देती हूँ। अगर तुम मेरी बात नहीं सुनोगे, तो मैं मर जाऊंगा। तुम नहीं जा सकते, "उसने कहा।

597 कौसल्य की बातें सुनने के बाद राम ने अपने पूर्वजों के बारे में क्या कहा?'अम्मा! मुझे नहीं लगता कि आप गलत हैं। ऋषि ने अपने पिता के कहने पर गाय को मार डाला। परशुराम ने अपनी माँ की हत्या कर दी। सागर के पुत्रों ने समुद्र खोदा और जीवित प्राणी को मार डाला। मैं अपने पिता की तरह हूं। जैसा मैं कहता हूँ वैसा करो! मुझे ये अस्थिर खजाने कभी नहीं चाहिए थे, माँ, मुझे समझिए। "उन्होंने क

अमरनाथ अमर

मैं अपने पिता की तरह हूं। जैसा मैं कहता हूँ वैसा करो! मुझे ये अस्थिर खजाने कभी नहीं चाहिए थे, माँ, मुझे समझिए। "उन्होंने कहा।

598. लक्ष्मण के शब्दों पर राम का क्या जवाब था?

"मैं तुम हूँ और तुम मैं हो। तुम मेरी भावनाओं को समझ नहीं सकते। तुम मुझे दुखी करते हो। गलत! हमें अपने पिता की बात सुनने की जरूरत नहीं है। अपने पिता से ईर्ष्या न करें। "लक्ष्मण ने कहा।

599. है। जब लक्ष्मण ने राम के शब्द सुने तो उन्होंने क्या कहा?

जे. "क्या आप, मेरी बड़ी बहन, इन अकथनीय शब्दों को बोलते हैं, क्या इतने बूढ़े दशरथ एक युवा कैकेय को प्राप्त करना चाहते थे, क्या आपको ये सभी वरदान याद हैं, कैकेयम्मा, जिन्होंने कल रात आपको फोन किया और आपको राज्याभिषेक के बारे में बताया, जिन्होंने रात में कैकेय को दो वरदान दिए और आपसे कहा कि सच्चाई का पालन करते हुए, आपको जंगलों में जाना चाहिए, और भरत को राज्य देना चाहिए, और यह कि अपने पिता के वचन का पालन करना सही था।

600.। जब राम ने लक्ष्मण की बातें सुनीं, तो उन्होंने क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! आप फिर से गलत हैं। मेरे पास तीर चलाने और राजा दशरथ से किए गए वादे को पूरा करने के लिए जंगल में जाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

601. क्या कहा था भगवान राम ने?

जे. "अपने पिता के बारे में सोचिए। वह बूढ़ा हो चुका है। उसे धोखा दिया गया। वह बहुत दर्द में है। मैं जंगल में सेवा करने जा रहा हूँ, और अगर तुम मेरे साथ आओ, तो उसकी देखभाल कौन करेगा? तुम, मैं, या वह? मेरी बात सुनो! अपने पिता की तलाश करें। "राम ने कहा।

602. जब राम ने अपनी माँ का पक्ष छोड़ दिया तो कौशल्या ने आखिरी बात क्या कही थी?

जे. "नैना! आपने जंगल में रहने के चौदह साल पूरे कर लिए हैं और सिद्धार्थ लौट आए हैं! मैं आपको फिर से देखकर खुश हूं। "उन्होंने कहा।

603. माँ कौशल्या से आशीर्वाद लेने के बाद राम कहाँ गए?

जे. कौसल्य का आशीर्वाद लेने के बाद राम सीतम्मा के घर चले गए।

604. जब राम सीता के पास गए तो सीता की क्या स्थिति थी?

जे. पति चला गया। मेरे पति को जाना है। कैसे पहुंचे? जैसे ही अभिषेक मुहूर्त आ रहा है, भगवान राम को रथ पर चढ़ना है। जब हवा चलती है, तो सफेद छाया छाया में आनी चाहिए। पति को शादी में आना चाहिए। अगर वह ऐसा करता है, तो उसे इसका सामना करना पड़ेगा। वह इसके लिए तैयार है।

605. सीता को देखकर राम की क्या स्थिति थी?

जे. सीता को एहसास हुआ कि कोई आ रहा है और उसने पीछे मुड़कर देखा। रामचंद्र! कोई नौटंकी नहीं है। कोई फ्रिल्स नहीं हैं। किस तरह का व्यक्ति गलती करने वाले की तरह सिर झुकाकर अकेला आता है। सीता चिंतित थी। राम आए और गए। नियमों की जांच करें। राम खुश हो जाता है। गड़गड़ाहट की खबर, सीता को बताएँ कि वह जंगल की ओर जा रही है। वह यह सोचकर कांप जाता है कि यह कैसे कहा जाए। उसे पसीना आ रहा है।

606. सीता ने क्या कहा?

जे. 'स्वामी'। उलझन में हैं। जब उन्होंने राम का पसीना टपकते देखा, तो उन्होंने उन्हें अपने नाखूनों से पोंछा। कुछ भी खत्म नहीं हुआ है। सब कुछ भ्रमित करने वाला है। लेकिन, मैंने दिल से पूछा। "क्या बात है साहब? तुम क्यों हो? यह स्नातक क्या है? "सीताराम ने पूछा।

607 है। सीता के सवाल पर राम का क्या जवाब था?

जे. राम ने सीता की ओर देखा। वह सीता को अपने पास ले गया। वह बैठा हुआ था। "हिम्मत रखिए! मैंने आपकी बात सुनी है। मेरे पिता ने अंतिम समय में अपना मन बदल लिया। मेरे बजाय युवाओं का मुकुट भारत को चढ़ाया जा रहा है। मैं चौदह साल से जंगल में हूँ। "राम ने कहा।

608. सीता को राम की क्या सलाह थी?

जे. 1. "बहादुर बनो! मुझसे दूर इन चौदह वर्षों का लाभ उठाएँ। भक्ति और भक्ति के साथ भगवान की पूजा करें"। "स्वामी", "मेरे दुखी माता-पिता की देखभाल करो!" उनकी सेवा करना आपका कर्तव्य है। ऐसा करने के लिए उससे नफरत न करें। मेरी माताओं कौसल्या और सुमित्र की तरह कैकम्मा की भी देखभाल करो! भरत, अगर तुम दुश्मनों को देखना चाहते हो, तो उनसे प्यार करो। "राम ने कहा।

2. "हे भगवान! यदि कोई मुकुटधारी भारत आपके आशीर्वाद के लिए आता है, तो उसे न छुएं। गुस्से में न आएं। खुशी से भेजें। "क्या यह संभव है? सीता की तरह लग रहा था। "सब कुछ संभव है! राजकुमार भरत के सामने किसी भी परिस्थिति में मेरा उल्लेख नहीं किया जाना चाहिए। मेरी प्रशंसा मत करो। जो लोग उच्च पदों पर आसीन हैं, वे अपने अलावा दूसरों की प्रशंसा करना बर्दाश्त नहीं कर सकते। जो उनकी प्रशंसा करते हैं उन्हें दुश्मन के रूप में देखा जाता है। भरत राजा है। अब और नहीं। इसे पहचानना सीखें। "राम ने कहा। सीता दुखी हो रही है। "किसी को चोट मत पहुँचाओ। सभी के प्रति विनम्र रहें। चौदह साल कितना लंबा होता है? यह एक पल की तरह है। इस पल का आनंद लें और इंतजार करें कि मैं कब वापस आऊंगी। "राम ने कहा।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

609 है। सीता के व्यवहार से राम आश्चर्यचकित क्यों हुए?

जे. राम की बातें सुनकर सीता उठ खड़ी हुईं। चलो एक तेज सांस लेते हैं और राम को गुस्से में देखते हैं। राम को बड़ा आश्चर्य हुआ।

610.है। राम की चेतावनियों पर सीता की क्या प्रतिक्रिया थी?

जे. "क्या बात कर रहे हो? क्या आप चाहते हैं कि मैं यहाँ खुश रहूं? चौदह साल जीने के लिए? क्या आप आने वाले समय का इंतजार कर रहे हैं? क्या आप अपने शब्दों का अर्थ समझते हैं? माँ, पिता, भाई, बेटा, बहू, जिनके कर्तव्य वे दुनिया में निभाते हैं। केवल पत्नी ही पीड़ित होती है। जब राजा जंगल जाना चाहता है, तो मैं भी जाना चाहता हूं। मैं यहाँ और नहीं रह सकता। "उन्होंने कहा।

611। राम ने सीता को कैसे सांत्वना दी?

"नहीं, मेरी बात सुनो। तुम इतनी मेहनत क्यों कर रहे हो? लेकिन यह जंगल है। वहाँ खुद को बचाना मुश्किल है। आपको बचाना मुश्किल है ", उन्होंने कहा।

612 है। राम ने क्या जवाब दिया?

जे. मुझे बचाना मुश्किल है! स्वामी, आप जैसे महान व्यक्ति के लिए मेरी सुरक्षा कोई समस्या नहीं है! आपने मुझसे कई बार कहा है कि आप अपनी पत्नी को नहीं छोड़ सकते। अब अपने जीवन को न बदलें। यदि आप जीवित हैं और आप दूर हैं उन्होंने कहा कि इससे बुरा कुछ नहीं है। "मैं भी तुम्हारे साथ जाऊँगा।

मैं गुफाओं में रहता हूँ। मैं नदी में नहाता हूँ। भले ही मैं धूप और बारिश में जंगल में पैदा हुआ हूं, मैं खुश रहूंगा, स्वामी। मुझे मत करो। इसे ले लो ", उसने कहा।

613. सीता ने राम से क्या कहा?

"हे भगवान! आप जो कुछ भी कहते हैं वह सब सच हो सकता है, लेकिन मैं आपके प्यार को महसूस करता हूं। एक और! जंगल उन लोगों से डरता है जिनके पास आत्म-धार्मिकता नहीं है, लेकिन आप और मेरे बारे में नहीं। मैं भगवान हूँ! शेर, साराभा और सरदू की गर्जना मुझे कुछ नहीं कर सकती। इसके अलावा, मैं मकड़ियों से नहीं डरता। "उन्होंने कहा।

614. सीता ने राम को अपनी कुंडली के बारे में क्या बताया?

जवाबः इसके बारे में बताइए। मुझे हमेशा से पता था कि मुझे तुम्हारे साथ जाना है। कई ऋषियों, भूकंप विज्ञानियों और योगियों ने कहा है कि मेरी कुंडली एक ही है। वे शब्द सत्य हैं। यह एक खुशी की बात है। मैं आपकी सेवा करने के लिए भाग्यशाली हूं। इससे अधिक और क्या चाहिए! मेरे पिता ने मुझे पवित्र मंत्रों के गवाह के रूप में आपको दिया है। मैं समझता हूं कि आप दान में योगदान देना चाहते हैं। मुझे कहना होगा कि आपका सह-अस्तित्व न केवल इस दुनिया में है, बल्कि परलोक में भी है जैसा कि वेदों में कहा गया है। "सीता ने कहा।

615. सीता ने आखिरकार क्या कहा जब राम ने उसके साथ आने से इनकार कर दिया?

जे. "जब आपका वचन आपका है, तो मैं आपका शोक सहन नहीं कर सकता, स्वामी! इसलिए मैं यह काम करता हूं, मैं जहर पीता हूं और मर जाता हूं। नहीं तो मुझे आग में झोंक दिया जाएगा। राम हैरान रह गए। "मैं क्या कह रही हूँ"... सीता चिल्लाई, जैसे कि राम को फुसलाने की कोशिश कर रही हो। "मैं और क्या कह सकता हूँ! मेरे पिता ने मुझे बलिदान करने के लिए सही नायक के लिए दुनिया भर में खोज की। उसने यह आपको दिया और आपको दिया। क्या तुम जानते हो कि यदि तुम मुझे अपने साथ जंगल में न ले आओगे तो मेरा पिता तुम्हारे साथ क्या करेगा? "" आपको क्या लगता है? "वह एक स्त्री है। "सीता ने कहा।

616. सीता ने क्या किया जब उन्होंने राम का नापसंद व्यवहार देखा?

जे. मुझे बताओ अगर तुम मुझ पर दया करते हो, तो मैं तुम्हारी अनुपस्थिति में मरने के बजाय अभी तुम्हारे सामने मर जाऊंगा। "सीता ने कहा। उसने राम की गर्दन से चाकू निकाला। "सीता ने कहा। उसने उसके हाथ से चाकू छीन लिया। उन्होंने इसे अपनी जगह पर रखा।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

617. सीतारामुल के शब्दों को सुनकर लक्ष्मण क्यों व्यथित हुए?

जे. कौसल्य के आशीर्वाद से लक्ष्मण ने मंदिर से निकलते समय राम का पीछा किया। जब राम ने सीता के लिए एकान्त मंदिर में प्रवेश किया, तो वे द्वार पर रुक गए। वह चाहता था कि उसकी बहन जंगल में न जाए। वह अलग था। वह अपनी बहन के साथ जंगल भी जाती है। दोनों जा रहे हैं। क्या मैं उन्हें छोड़ सकता हूँ? लक्ष्मण ने सोचा कि यह असंभव था। वह उनके साथ है। वे जहाँ भी हों! लेकिन क्या उसे वह अनुमति मिल जाएगी जो उसकी साली को आसानी से नहीं मिलती? अगर वह जंगल में आता है, तो क्या वह इसे स्वीकार करेगा? लक्ष्मण चिंतित थे। वह रो पड़ा। वह जोर-जोर से रोया।

618. मंदिर के बाहर से लक्ष्मण को किसने बुलाया? जे. सीता

619. सीता ने लक्ष्मण की पीड़ा के बारे में सुनकर उनसे क्या कहा?

जे. सीता का नाम लक्ष्मण था। उलझन में हैं। लक्ष्मण अपनी माँ सीता के बुलाने पर आए। वह उसके सामने खड़ा हुआ और अपना हाथ बढ़ाया। सीता ने लक्ष्मण की ओर देखा, जैसे कि वह बच्चे के मन को समझ रही हो। "यह सब तुम्हारा है। उनसे पूछिए। "उस शब्द पर लक्ष्मण ने राम के चरणों में शरण ली।

620. लक्ष्मण ने राम से क्या करने को कहा था?

जे. लक्ष्मण ने अपने आंसुओं से राम के पैर धोए। "अन्ना ने पूछा। में भी तुम्हारे साथ चलूँगा। आपको इसे स्वीकार करना होगा।

अमर

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

621 है। राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "यदि आप हमारे साथ जंगल में आते हैं, तो कौन आपकी माँ और मेरी माँ को सांत्वना देगा? कैकम्मा को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जाना जाता है जिसे अधिकारम को छोड़कर अंतरंगता की आवश्यकता नहीं है। क्या आपको लगता है कि वह हमारी माताओं की परवाह करता है? मुझे बताओ, क्या तुम्हें परवाह है? अगर आप अपने पिता की हालत देखेंगे, तो उन्हें कौन अंदर ले जाएगा? क्या भरत, जिनके पास सत्ता के लिए समय नहीं है, माँ और चाचा, इस बूढ़े पिता की सेवा करेंगे? ऐसा न करें। इसलिए मैं कहता हूं, यहाँ रहो और अपने माता-पिता की देखभाल करो।

622. राम के शब्दों पर लक्ष्मण की क्या प्रतिक्रिया थी?

जे. "मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि आप क्या कह रहे हैं! आपने महान माता के मंदिर में अपनी पहल का बचाव किया है। आप मेरी मदद कीजिए। इसका क्या मतलब है? मेरे साथ जंगल में आओ। आप फिर से क्यों बदलना चाहते हैं? "यह मेरा इरादा नहीं था। उन्होंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि यह बहुत अधिक गैरजिम्मेदाराना है। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो कोई खतरा नहीं है। हजारों गाँव और कई और गाँव हैं। इसमें 10 लोग बैठ सकते हैं। मुझे किसी की मदद की जरूरत नहीं है। मेरी माँ भी आराम से रह सकती हैं। वे दोनों अपने पिता की देखभाल करते हैं।

अमरनाथ अमर

आपको उनकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे बारे में सोच रहे हो! आपका सेवक। मैं तुम्हारे बिना नहीं रह सकता। "लक्ष्मण ने कहा।

623. राम ने आखिरकार क्या फैसला किया?

जे. भगवान राम ने लक्ष्मण को अपना भाई कहा। यह है उस आवाज़ की आवाज़! "" "अन्ना", "लक्ष्मण उठ खड़ा हुआ।" "शब्द! हम तीनों , आप, मैं और सीता, वन-वासदीक्षा लें। सभी को बताएँ कि तुम तीनों जंगल में जा रहे हो। "उन्होंने कहा।

624. राम ने लक्ष्मण से कौन से हथियार लाने के लिए कहा था?

वह दिव्य धनु, अक्षय ट्यूना, दिव्य कवचम और दो तलवारें लेकर आए

625. राम लक्ष्मण को हथियार किसने दिए?

जे. बारिश का देवता

626. भगवान वरुण ने किस अवसर पर राम-लक्ष्मण को हथियार दिए थे?

जे. जब वे यज्ञ में गए तो राम लक्ष्मण ने जनक महाराजा को दिया।

627. राम-लक्ष्मण ने वरुण द्वारा दिए गए हथियार कहाँ रखे थे?

जे. गुरु के घर में उनकी पूजा की जाती है।

628. राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "मैं अपना सारा पैसा वैदिक विद्वानों, गुरुओं और परिचारकों को दान करना चाहता हूं।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

तुरंत जाओ और मास्टर पेंटर सहित सभी बड़ों को बुलाओ। "उन्होंने कहा। लक्ष्मण भाग गया।

629 . है। राम ने अपने रत्न किसे दान किए?

जे. भलाई के लिए

630. है। सज्जन कौन हैं? जे. सुयाजन वसिष्ठ का पुत्र था।

631. सीता ने अपने आभूषण किसे दान किए?

जे. उन्होंने इसे अपनी पत्नी को दान कर दिया।

632. राम के हाथी का नाम क्या है? जे. दुश्मन।

633. भगवान राम ने हाथी किसे दान किया था?

जे. भलाई के लिए

634. लक्ष्मण ने अपने गहने किसे दान किए?

जे. अगस्त्य और कौशिका को दान किया

635. क्या दान किया गया है?

जे. उसने उसे पैसे, गहने और अन्य चीजें दीं।

636. चित्रकार कौन है? जे. राज्य मंत्री

637. राम ने सेवकों को क्या दिया?

जे. उन्होंने परिचारकों को बुलाया और उन्हें रेशम के कपड़े, पैसे और वाहन वितरित किए

638. कौन हैं त्रिवेदी? जे. त्रिजाता एक गरीब ब्राह्मण था।

अमरनाथ अमर

& SANATANA DHARMAM & DHARMO RAKSHATI RAKSHITAHA

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

639. वह जीविकोपार्जन के लिए क्या कर रहा है?

जे. वह हर दिन छोटी कुल्हाड़ियों, बारूद और हल का उपयोग करके जंगल में खुदाई करके रहता है।

640. है। उनकी पत्नी ने उन्हें क्या सलाह दी?

जे. 'अगर तुम मेरी बात सुनो, उस छोटी सी कुल्हाड़ी को फेंक दो और गुनगुनाओ, और जाओ और धर्मी भगवान राम को देखो तो क्या तुम्हें कुछ मिलेगा? "उन्होंने कहा।

641. उन्होंने भगवान राम से क्या पूछा?

जे. उसकी पत्नी ने उसे विदा कर दिया। वह कूदकर भाग गया। वह राम के पास गया। इस बात का ध्यान रखें कि आपके कपड़ों पर दाग न लगें। उसने अपने हाथ जोड़े। वह अपने कंधे पर हाथ रखते हुए खड़ा था। "रामचंद्र ने कहा। मैं इसके साथ रहता था। ब्राह्मण। बच्चे पैदा करें। दया करें। जितना हो सके उतना दान करें। "उसने प्रार्थना की।

642. राम ने क्या जवाब दिया?

जे. "शानदार! आपको थोड़ी देर हो चुकी है। मुझे इसके बारे में सोचना पड़ा। अभी मेरे पास केवल बकरियाँ हैं। ये सरयू नदी के तट पर भी स्थित हैं। आप कहाँ हैं? "उन्होंने कहा।

643. राम ने क्या किया?

जे. "अपना काम करो! अपनी सारी ताकत इकट्ठा करें और अपने

हथियार सरयू नदी के किनारे गायों के बीच फेंक दें! आपके हाथ की सभी गायें आपकी हैं, और आप उन्हें स्वतंत्र रूप से ले जा सकते हैं। "राम ने कहा।

644. त्रिजात से राम के शब्दों पर कौन हँसा? जे. लक्ष्मण

645. त्रिजाता ने छड़ी कैसे फेंकी?

जे. त्रिजाता उत्साहित थी। उन्होंने जवाब को सही किया। उन्होंने अपने दोनों पैर मजबूती से अपने सामने जमीन पर रखे। उसने सांस ली। उसने हाथ देखा। उन्होंने इसे पलट दिया। उसने अपनी सारी ताकत इकट्ठा की और छड़ी को किनारे पर फेंक दिया।

646. छड़ी कहाँ से आई?

जे. त्रिजाता द्वारा फेंकी गई छड़ी नदी के किनारे चर रही करोड़ों गायों को पार कर गई और जमीन पर गिर गई। यह देख दोनों हैरान रह गए। बधाई और शुभकामनाएं

647. राम ने सेवकों को क्या करने का आदेश दिया?

जे. "ब्राह्मणोत्मान को उसके हाथों में गिरी गायों, बछड़ों और बैलों के साथ उसके निवास पर ले जाएँ। "राम ने सेवकों को आज्ञा दी।

648. राम ने त्रिजात से उसे क्षमा करने के लिए क्यों कहा?

जे. "शानदार! मैं आपकी शक्ति को नहीं जानता। मुझे हँसी आ गई। मुझे माफ कर दीजिए। "राम ने कहा।

649. सीता को अंगूठियाँ और चूड़ियाँ किसने दीं?

जे. त्रिभुज की ओर

650 है। सीतारामलक्ष्मण अपना सामान दान करने के बाद कहाँ चले गए?

जे. वह मंदिर के लिए रवाना हो गए।

651. जब लोगों ने तीनों सीतारामलक्ष्मणों को शाही मंदिर की ओर पैदल चलते देखा तो उन्होंने क्या सोचा?

जे. जिन लोगों ने उन्हें महल की ओर चलते देखा, वे फूट-फूटकर रो पड़े। राम-लक्ष्मण का अनुसरण करने वाले कोई सेवक नहीं हैं। कोई वाहन नहीं है। इससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। "क्या जिसे राज्य का ताज पहनाया जाना है और राज्य पर शासन करना है, वह एक गरीब आदमी की तरह दिखता है जिसे सफेद छतरी की छाया में चलना पड़ता है? दूसरी तरफ एक भी नौकर नहीं था, और न ही चढ़ने के लिए कोई पालकी थी। "वह घायल हो गया।

652. अयोध्या के लोग सीता के बारे में क्या सोचते थे?

जे. "सीता के बारे में बात करना गलत है, मैंने उन्हें कभी नहीं देखा है। वह मां, जो सूरज-चाँद को दिखाई भी नहीं देती, आज हर किसी से घिरी हुई है। हत्या! "दिल टूट गए हैं। "क्या सीता जंगल में चल सकती है? क्या आप गर्मी सह सकते हैं? "वह रो पड़ा।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm - अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

653 .है। लोगों ने इसके बारे में क्या सोचा?

जे. "कौन सा राक्षस राजा दशरथ को पीड़ा दे रहा है? नहीं तो क्या आप भगवान राम और इकुलाब्दी को जंगल में भेज देंगे? यह बिल्ली नहीं है, यह एक बिल्ली है। राजा को इस बात का पता नहीं था। "वह गुस्से में आ गया।

654. जब लोगों को पता चला कि राम जंगल जा रहे हैं तो वे क्या करना चाहते थे?

जे. उन्होंने कहा, "जहां राम हैं, वहां राज है। हम यहाँ और नहीं रहना चाहते। चलो राम का अनुसरण करते हैं। धन इकट्ठा करें। पैसे ट्रांसफर करें। "उन्होंने एक-दूसरे से कहा। "राम कहाँ है? यह जंगल की तरह है। कुत्ते, बिल्लियाँ और चूहे हैं। हर जगह फल और सब्जियां हैं। हम फल क्यों नहीं खाते और जानवरों का पालन करते हैं, और मां-बेटी और भाई-बहन एक साथ रहते हैं? चलो चलते हैं। "वह भाग गया।

655 .है। दशरथ के मंदिर में मंत्री कौन है? जे. सुमंत्र

656. है। उसने राम से क्या कहा?

जे. सुमंत्र ने राम का हाथ पकड़कर रोया। "तुम पागल हो। कृपया, शांति मंत्री। "राम ने कहा। "जाओ और हमारे पिता से विनती करो कि राम वनवास के लिए जा रहे हैं, और उन्हें बताओ कि मैं उनका आशीर्वाद लेने आया हूँ। "उन्होंने कहा।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

657 है। सुमंत्र ने दशरथ से क्या कहा?

जे. "महाराज! सीताराम आ गए। तीनों जंगल की ओर जा रहे हैं। वे आपकी अनुमति मांग रहे हैं। "दशरथ ने सुमंत्र की बात सुनी।

658. दशरथ ने सुमंत्र की बातें सुनकर क्या किया?

जे. दशरथ ने सुमंत्र की बात सुनी। उसने सिर हिलाया। "महाराज", उन्होंने कहा। सुमंत्र और दशरथ दोनों सुमंत्र को देखते हुए काफी देर तक रोए।

659. है। दशरथ ने सुमंत्र से क्या कहा?

जे. "मैं अपनी सभी पत्नियों के साथ सीताराम लक्ष्मण को देखना चाहता हूँ। उन सभी को ले आओ। "उसने आज्ञा दी।

660. है। दशरथ ने क्या किया जब सीतारामलक्ष्मण ने उनसे संपर्क किया?

जे. जब दशरथ ने राम और लक्ष्मण को अंदर आते देखा, तो वह उनकी ओर दौड़े और जमीन पर गिर गए। मूर्खतापूर्ण।

661. क्या कहा था भगवान राम ने?

जे. "आप राजा हैं, मेरे स्वामी! सोचिए। मैं जंगल जा रहा हूँ। ये लोग मेरे साथ आ रहे हैं। पिता ने दोनों की बात नहीं सुनी। मैंने उसे स्वीकार कर लिया। समय समाप्त हो रहा है। मैं तेरे आदेश पर जंगल में जा रहा हूँ, तुम्हें आशीर्वाद दो। "उसने हाथ जोड़कर सिर झुकाया।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

662. राम ने क्या कहा?

जे. दशरथ ने राम का हाथ पकड़कर कहाः "अब वादा पूरा हो गया है। बेहतर होता अगर मैं न बोलता, लेकिन अब इतना बुरा नहीं है। लक्ष्मण ने गुस्से में अपने पिता की ओर देखा। "अरे राम! मैं उन्हें आपको क्यों दूं? नहीं, आप नहीं करेंगे। मुझसे लड़ो। राज्य प्राप्त करें। "दास ने कहा।

663. है। राम ने आखिरकार दशरथ से क्या कहा?

जे. "मैं अपनी उपस्थिति में कसम खाता हूँ, पिता, कृपया मेरी बात सुनो। यदि आप मुझे राजकुमार बनाते हैं, तो मैंने इसे राज्य के प्रति प्रेम या उसके आनंद के लिए स्वीकार नहीं किया है। आपने आदेश दिया था। मैं राजी हो गया। बस इतना ही! पिता की आज्ञा परमेश्वर की आज्ञा के समान है। इसलिए मैं अभी भी आपके आदेशों का पालन कर रहा हूं। मैं आपकी इच्छा के अनुसार चौदह वर्ष तक दंडक में रहूंगा, और फिर मैं आपकी सेवा करने के लिए तैयार रहूंगा। मुझे आशीर्वाद दें।

664. राम के शब्दों का क्या हुआ?

जे. देर क्यों की? आपको आशीर्वाद दें, राजा। "यही तो बात है। वह अपने सिर पर पीठ रखकर आगे आई। उसने घृणा में अपना चेहरा उससे दूर कर लिया। राजा को अपने बेटे को अपने पिता की बात का पालन करते हुए और उसे बधाई देते हुए देखकर खुशी होनी

चाहिए! दुखी होना मूर्खतापूर्ण है। चिंता मत करो "।

665. जब आपने इन शब्दों को सुना तो आपको कैसा लगा?

जे. मंदिरा हँस पड़ी जैसे उसने शब्द सुने हों। उसने उसका हाथ अपने हाथ में लिया और उसे चूमा।

666. राम ने क्या किया?

जे. "मेरे बच्चे, मेरे बच्चे। इस समय अपनी यात्रा छोड़ दें। आज रात हमारे साथ शुभ रात्रि बिताएं। इन सब का आनंद लें। मैं आपको आज रात मेरी देखभाल करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं। "दशरथ ने पूछा।

667. है। राम ने क्या कहा जब उन्होंने दशरथ की इच्छा को अस्वीकार कर दिया?

जे. मुझे माफ़ कर दो, पिता। अब आप इसके लिए नहीं पूछ सकते। आज रात तुम मुझे जो आराम देते हो, मैं उसे महसूस नहीं कर सकता, भले ही तुम मुझे जाने दो। "

"पिता, सीता लक्ष्मण की सहायता से मेरा यह वनवास खुशी-खुशी चल रहा है। जंगल में मुझे पहाड़, नदियाँ और जानवर दिखाई देते हैं। वहाँ के सिद्धों, योगियों, राजाओं और महर्षों को देखकर मैं अभिभूत हो जाता हूँ। मैं दाख की बारियों में जड़ों और फलों की जुताई करते हुए चौदह वर्ष बिताऊंगा। फिर मैं आपकी इच्छा और अपनी माँ कौसल्या की इच्छा के अनुसार अयोध्या लौटूंगा।

आशानाथ अमर

आपको मेरे और इन लोगों के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। "राम ने कहा।

668. सुमंत्र क्यों बेहोश हो गया?

जे. राम की बातें सुनकर दशरथ फूट-फूटकर रो पड़े। सुमंत्र राजा सोमसिल्ली के प्रकोप को सहन नहीं कर सका। महान राजा! राजा को गुस्सा आ गया।

669. है। दशरथ ने सुमंत्र से क्या कहा?

जे. उन्होंने कहा, "एक मंत्री के रूप में यह आपकी जिम्मेदारी है। आखिरी बार कोशिश करें। आपको रास्ते पर चलना होगा। राम की हत्या बंद होनी चाहिए। भगवान उस पर है। "सुमात्रा ने कहा।

670. है। भालू ने क्या कहा?

जे. सुमंतरा उठ खड़ी हुई। वह जोर-जोर से चिल्लाया। "केकेयराजपुत्री", चिल्लाया, और मंदार के साथ खड़ा हाथ डर गया। कौन कौन है? ऐसा लग रहा था जैसे कोई रो रहा हो। "रानी! आप बहुत बदतमीज़ हैं। राजा ही राजा होता है। आपने ऐसे राजा को गिरा दिया है। यह आपके लिए नहीं है। "उन्होंने कहा।

671. सुमंत्र क्या है?

जे. "प्रधानमंत्री जी! आप बहुत अधिक बात कर रहे हैं, सीमा में रहें और व्यवहार करें। "कौन गुस्से में है?

672. ऋषि ने क्या कहा?

जे. "मैं अपनी सीमा में हूँ, आप अपनी सीमा में हैं। श्रीराम को नष्ट करने का पाप दूर नहीं होगा। महर्षि के श्राप से आप जल जाएँगे। जहाँ आप खड़े हैं वहाँ भूकंप आता है। आपने इसे सहन भी नहीं किया। हाहा! इससे आपको क्या लाभ है? आखिरकार, आप एक माँ हैं। आप अपनी मां की तरह व्यवहार कर रहे हैं। खीरे उतने मीठे नहीं होते हैं जितने वे उबाले जाने पर होते हैं। दूध देने से सांप को जहर नहीं मिलता। आप भी ऐसा ही करें। "उन्होंने कहा।

673. है। आपकी माँ ने इस बारे में क्या कहा?

जे. हम आपकी मां को जानते हैं। तुम्हारे पिता को सभी जीवित प्राणियों के दिलों में मौजूद चीजों और उनकी भाषा का ज्ञान है। एक बार कैकेयी महाराज आपकी माँ के साथ सो रहे थे और उस बिस्तर से एक चींटी निकली, और उसका नाम झुम्भा था। चींटी चली गई और अपने बगल की दूसरी चींटी से कुछ कहा। कैकेया चींटी के शब्दों को सुनकर हँसा, क्योंकि वह सभी जीवित प्राणियों की भाषा समझता था। "तब तुम्हारी माँ ने राजा से पूछा," "तुम क्यों हंस रहे हो?" ये शब्द सुनकर मुझे हँसी आ गई। नहीं, चींटी ने मेरा मज़ाक उड़ाया, तो तुम हँसे, मुझे बताओ कि चींटी क्या थी। जिस महान व्यक्ति ने मुझे यह सबक सिखाया, उसने एक नियम बनाया, जिसके अनुसार अगर मैं खुद से सार्थक बातें कहता हूं,

अमरनाथ अमर

तो मेरा सिर एक हजार टुकड़ों में टूट जाएगा। क्योंकि मैं आपको नहीं बता सकता। फिर, अगर आपका सिर एक हजार टुकड़ों में टूट गया है, तो आपको मुझे बताना चाहिए कि मैंने क्या खो दिया और आप इतना क्यों हंसे। तब राजा कैकेय उस महान व्यक्ति के पास गए जिसने उन्हें यह सबक सिखाया था और उन्हें बताया कि क्या हुआ था। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मुझे सच बोलकर अपना सिर खोना चाहिए या न बोलकर अपना सिर बचाना चाहिए। मैं समझता हूं कि यह कहना कितना अच्छा है कि आपका सिर एक हजार टुकड़ों में टूट गया है, और अगर वह फिर से पकड़ी जाती है, तो आपको उसे जाने देना चाहिए। इतनी सुंदर औरत, तुम्हारी माँ। यही कारण है कि तुम यहाँ हो। "

674. दशरथ ने सुमंत्र को क्या करने का आदेश दिया था?

"सुमंत्र" उसने पुकारा। "राजा से कहो", "सेनाध्यक्ष से तुरंत बात करो। " उसे राम के साथ रथ, गज, तुरगा और पैदल सेना भेजने की व्यवस्था देखने के लिए कहें। और तू खजाने के हाकिम से बातें कर, और धनवान् और दासीयों को तैयार कर, कि उनकी चौकसी करें, और सेवकों और नागरिकों को, कि उनकी चौकसी करें। फिर सीतारामलक्ष्मण का मनोरंजन करने के लिए नर्तकियों की व्यवस्था करें, और जंगल के माध्यम से उनका मार्गदर्शन करने के लिए कटोरे और चम्मच। "दास ने कहा।

Shrimad Ramayanm - अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

675. दशरथ द्वारा दी गई आज्ञा का क्या अर्थ था?

दशरथ वरदानों को दिए गए अनुसार देकर उन्हें कमजोर कर रहे हैं। आपके लिए राम के प्रेम के कारण ही वह खुद को और भरत को अनाथ बनाना चाहते थे। चेहरा पीला पड़ गया था।

676. दशरथ का क्रम क्या है?

जे. "आपका प्यार, आपकी उदारता अच्छी महाराजा है! क्या आपको लगता है कि हमें राम के साथ अयोध्या की चतुरंग सेनाओं, खजाने और नागरिकों को जंगलों में भेजना चाहिए और भारत के लिए कब्रिस्तान की तरह इस राज्य का निर्माण करना चाहिए? भगवान राम की आज्ञा मानने में कुछ भी गलत नहीं है। जब तक मैं जीवित हूँ, मैं यह गलती नहीं करूँगा। "उसने कहा।

677. है। दानव ने क्या किया?

जे. 'क्या आप राम को बिना सवाल पूछे सब कुछ बांधते हुए देखना चाहेंगे? "मत डरो, मत डरो! शरारती! न आप, न आपका देश। आप और आपका बेटा राज्य के उत्तराधिकारी होंगे। मैं भी अपने राम के साथ वनवास जाऊंगा। "दास ने कहा।

678. यह तुम्हें किसने दिया? जे. मन्थरा

679 है। राम को किसने दिया? जे. कैकेयी

680 है। लक्ष्मण ने किससे पूछा? जे. कैकेयिनी

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

681. आपको साड़ी किसने दी? जे. हाथ का

682. सीता क्या कर रही है?

जे. सीता पास आई। "मैं तुम्हें दो दूँगा। "उसने कहा।

683. सीता कौन है?

जे. सीता ने राम की ओर देखा, मोटे और उलझे हुए लिनन पर उलझन में और इसे पहनने के बारे में अनिश्चित थी। राम खिलखिलाकर हँस पड़े। सीता ने इसे अपने हाथ में लिया। उन्होंने उन्हें सीता द्वारा बंधी एक जंजीर में लपेट दिया।

684. राजा ने क्या माँगा?

जे. सीताराम लक्ष्मण को फाइबर में गरीब के रूप में देखा जाता था। ऐसा लग रहा था। राजा इसे देखने के लिए सहन नहीं कर सके। वह रो पड़ा। वे रामनाथपुरम पहुँचे। "अगर आप दोनों भाई जाते हैं, तो निर्दोष सीतम्मा को वनवासी न बनाएं। "उन्होंने कहा। पूछा गया।

685. सीतम्मा को जंगल जाने से किसने रोका? जे. वशिष्ठ

686. भालू ने क्या कहा?

जे. "गरीब आदमी! क्या उसने राजा को धोखा दिया और उसकी धार्मिकता का उल्लंघन किया? क्या आप सीता से प्यार करते हैं? क्या आप कोई अपराध करने जा रहे हैं? "उन्होंने पूछा।

अमरनाथ अमर

687. है। सीतम्मा को दिए गए लिनन को वापस लेने के लिए कैकन को किसने चेतावनी दी? जे. वशिष्ठ

688. उन्होंने भारत के बारे में क्या कहा?

जे. "अगर तुम मुझसे नाराज हो, तो मुझे सच बताना चाहिए। जिस पर आप इतना उपदेश दे रहे हैं, कि भरत भी लिनन पहनता है और राम का अनुसरण करता है, लेकिन वह आपसे चिपका नहीं है। मैं तुमसे बेहतर जानता हूँ। "वासुदेवन ने कहा। वह छोटा है, और यह वह राज्य है जो पिता ने उसे नहीं दिया है। राज्यपाल सहमत नहीं हुए। इतना ही नहीं! आपने जो किया उसके लिए आपकी माँ आपको माफ नहीं करेंगी। "वासुदेवन ने कहा।

689. है। जंगल की ओर जाते समय राम ने दशरथ से क्या कहा?

जे. "उस बूढ़ी औरत को मैं तुम्हें सौंप रहा हूँ, मेरी माँ। इस बात का ध्यान रखें कि जब तक मैं निर्वासन में हूं तब तक वह न मरे। उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता था कि क्या कहना है और कैसे जवाब देना है।

690. है। दशरथ ने सुमंत्र से क्या कहा?

जे. "सौमेन! सीतारामलक्ष्मी को एक अच्छा रथ दें। उन्हें राज्य में छोड़ दें। "उसने आज्ञा दी।

691. दशरथ ने अपने खजांची को क्या करने का आदेश दिया?

जे. "सीता को चौदह साल के लिए पर्याप्त कपड़े प्रदान करें। "उसने आज्ञा दी।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm - अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

692. कौसल्या सितम्मा के बारे में क्या?

जे. 'मां! पति जब उसे खुश करता है तो उसे माफ करना, जब वह उसे खुश नहीं करता है तो उसे बदनाम करना और उसे छोड़ना अच्छा नहीं है! आप जैसे गुणी व्यक्ति को हमेशा अपने पति के कल्याण के लिए काम करना चाहिए। पति को सबसे अच्छा और सबसे अच्छा माना जाना चाहिए। भाग्य टूट गया है। मेरा बेटा, जिसे राजा होना चाहिए, एक वनवासी है। वनवासी के साथ जीवन क्या है? राजा हो या वनवासी, सोचिए कि राम आपके भगवान हैं। यही आपकी सुरक्षा है। "उन्होंने कहा।

693 है। सीता ने क्या जवाब दिया?

जे. एक मां, एक पिता, एक भाई और एक बहन। पति वह है जो सब कुछ देता है और पत्नी वह है जो सब कुछ देती है! किस तरह की महिला ऐसे पति को नहीं चाहेगी? मैं अपने प्रभु का अपमान नहीं कर रहा हूँ। आप इसके बारे में चिंता न करें। "सीता ने कहा।

694. है। लक्ष्मण को क्या हुआ?

जे. लक्ष्मण। आशीर्वाद के लिए हाथ। लक्ष्मण को उनकी माँ के करीब लाया गया। उसका सिर कांप रहा था। "नैना! आप जंगल में रहने के लिए पैदा हुए थे। हर समय भगवान की सेवा करना आपका कर्तव्य है। राम तुम्हारे पिता हैं। अपनी माँ के बारे में सोचिए! एक जंगल की कल्पना कीजिए! गुड लक, तुम जाओ। "सुमित्र ने कहा।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

695. सीताराम लक्ष्मण के लिए रथ किसने तैयार किया? जे. सुमंत्र

696. सबसे पहले कौन था? जे. सीता

697. है। निर्वासन के लिए जाते समय रथ के घोड़ों ने कैसा व्यवहार किया?

जे. सुमंत्र ने रथ में सीता के कपड़े और आभूषण, लक्ष्मण के कवच, हथियार, कुल्हाड़ी और गम्पाल जोड़े, फिर वह खुद चढ़ गया और उसमें घोड़ों को बांध दिया। घोड़ों को चित्रित किया गया है। न चल सकता है, न चल सकता है। वे नहीं चाहते थे कि अयोध्या को जंगलों में शामिल किया जाए।

698. आपको तेज रफ्तार गाड़ी रोकने के लिए किसने कहा?

जे. दशरथ

699 है। सुमंत्र ने रथ में सवार राम से क्या कहा?

जे. "हे राम! पिताजी आपको देखना चाहते हैं! "उन्होंने कहा।

700. मिले हैं। कौसल्य ने रथ में बैठे लक्ष्मण और सीता से क्या कहा?

लक्ष्मण के भाई को रुकने के लिए कहो, अम्मा सीता! अपने प्रभु को रुकने के लिए कहो। "कौसल्या ने कहा।

701. राम ने रथचालक सुमंत्र से क्या कहा?

जे. राम कहते हैं, "हनुमान! जब आप कल सुबह लौटेंगे, अगर दशरथ आपसे पूछेंगे कि रथ क्यों नहीं रुका, तो उसे बताएं कि मैंने

पहियों पर आपकी बातें नहीं सुनीं। इसलिए सवारी करें ", उन्होंने कहा। इस तरह सफर चलता रहा।

702. राम ने क्या किया जब उन्होंने लोगों को रथ के पीछे आते देखा?

जे. राम रथ से उतरकर उनके साथ चलने लगे।

703. राम के निधन के बारे में आप कैसा महसूस करते हैं?

जे. कहीं भी सड़क नहीं है। लोग वापस आ रहे हैं। इसका मतलब है. .. राम बहुत दूर चले गए हैं। दशरथ शहर से आगे जाना चाहते थे। वह रो पड़ा। वह सड़क पर गिर गया और जल गया।

704. दशरथ को देखकर कौसल्या ने क्या किया?

जे. कौसल्या ने उससे पूछा। उन्होंने अपना दाहिना हाथ पकड़ लिया। उसने उसके माथे पर हाथ रखा।

705. कैकेयी दशरथ की मदद कैसे करने वाला था?

जे. कैकेयी ने अपना बायां हाथ उसके कंधे पर रखा, जबकि कौसल्या ने अपना दाहिना हाथ उठाया।

706. भालू ने उससे क्या कहा?

जे. 'गरीब आदमी! मुझे मत छुओ। पूह! दूर हो जाओ! मुझे अपना चेहरा मत दिखाओ। "उन्होंने कहा।

707. है। दशरथ ने कैका पर क्या आरोप लगाया?

जे. "हाय! तुम मेरी पत्नी नहीं हो, जिसने सत्ता और धन के लिए धर्म का त्याग किया। यह उससे अधिक नहीं है।

Shrimad Ramayanm - अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

मैं आपका हाथ छोड़ता हूं, जो मुझे आज आग के गवाह के रूप में मिला है, आज इस दुनिया में और स्वर्ग में। आप जैसा बनना चाहते हैं वैसा ही बनें। आप कैसे रहते हैं? इसके अलावा, अगर आपका पुत्र भरत इस राज्य से प्रसन्न है, जिसे उसने अधर्म के माध्यम से प्राप्त किया है, तो मुझे स्वर्ग के कार्यों की आवश्यकता नहीं है जो वह करता है। "दास ने कहा। उसने एक दरांती से राजमार्ग से राख निकाली और उसे अपने हाथ पर फेंक दिया जैसे कि वह शाप दे रहा हो।

नोटः-उन्होंने एक दरांती से राजमार्ग से राख निकाली और उसे अपने हाथ पर फेंक दिया जैसे कि उन्होंने शापित किया हो। वह होश खो बैठा। जब राजा फिर से होश खो बैठे, तो सभी पत्नियों ने उन्हें घेर लिया और शोक मनाने लगीं। वहाँ होना अच्छा नहीं है। चलो चलते हैं।

708. जब उन्हें होश आया तो दशरथ के सेवक उन्हें कहाँ ले गए?

जे. सेवकों ने दशरथ को कैकमंदिर लाया।

709. है। मंदिर कैसा दिखता था?

जे. दशरथ ने आगे बढ़कर मंदिर की ओर देखा। वह इमारत, जो हमेशा प्यार के घर की तरह दिखती थी, आज एक प्रेतवाधित हवेली की तरह दिखती है। वह डर गया। वह पीछे रह गया।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

710. है। कैका मंदिर से दशरथ कहाँ गए? जे. वह मंदिर गया।

711। दशरथ ने मंदिर में कौसल्य से क्या कहा था?

जे. 'हे भगवान! मेरी आँखों के सामने अभी भी राम के रथ पर चढ़ने का दृश्य है। यह रथ है... राम सीता लक्ष्मण के साथ जा रहे हैं। गाड़ी धूल में चलती है। वह है... मैं कहाँ हूँ? क्या आप रास्ते पर हैं? या यह आपके घर में है? अगर मैं आपके मंदिर में हूं, अगर मैं आपके पास हूं, तो मुझे एक बार बताएं कि कुछ भी इसे सच नहीं करता है। "इसे छुओ। ऊब गया।

712 है। सुमित्र कौशल्या मंदिर में कब आई थीं?

जे. कौशल्या के दशरथ को छूने के बाद पति-पत्नी दोनों एक साथ रोने लगे। फिर सुमित्र आया।

713. सुमित्र कौसल्या के बारे में क्या?

जे. "बहन! सत्यजीत रे, सत्यजीत रे और रामचंद्र गुहा के बारे में क्या? वह अपने पिता को बचाने के लिए जंगल गया। वह अपमान बर्दाश्त नहीं कर सका। वापस आ जाओ! आओ और इस दुनिया पर राज करो। "सुमित्र ने कहा।

714. रथ के पास आने वाले लोगों से राम ने क्या कहा?

जे. "तुम्हें दुःख क्यों हो रहा है? मेरी बात सुनो और वापस जाओ। मैं अपने भाई से उतना ही प्यार करती हूं जितना मैं तुमसे करती हूं। कम उम्र में, वह अच्छा है। वह नियमों को जानता है।

अमरनाथ अमर

इसलिए उनके पिता चाहते थे कि वे राजा बनें। याद रखें, मेरे और मेरे भाइयों की तरह, आपको भी राजा की आज्ञा का पालन करना चाहिए। "कोई नहीं सुन रहा है, कोई जवाब नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा, "मैं आपसे भी अपील करता हूं कि हमारे पिता को वापस लाएं ताकि वह भूल जाएं कि मैं जंगल में पीड़ित हूं। कृपया चले जाएँ। "राम ने कहा।

715. लोगों ने क्या कहा?

जे. "हे रामचन्द्र! अयोध्या वापस आ जाओ! आप हमारे राजा हैं। "आप हमारे राजा हैं। "और भी आवाज़ें हैं। राम ने पीछे मुड़कर देखा। ब्राह्मण वृद्धावस्था के कारण चल नहीं पाते हैं। "बड़े अच्छे लोग! तुमसे बेहतर कोई जानवर नहीं है। भगवान राम को दूध पिलाने में इतनी जल्दी क्यों होती है? इंतजार कीजिए! हमारी बात सुनें, स्थिर रहें, हमारा अभिवादन करें और हमें समझें। राम ने ब्राह्मणों को हाथ जोड़कर घोड़ों के सामने झुकते देखा। वे बूढ़े लोग हैं जो जाग रहे हैं। वह पिघल गया।

716. नागरिकों से बात करते हुए भगवान राम ने कौन सी नदी देखी?

जे. तमाशा

717. सीताराम लक्ष्मण ने अपने निर्वासन का पहला दिन कहाँ बिताया?

जे. मंदिर में पहली रात बिताई गई।

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

718. तामसानदी के तट पर राम ने लक्ष्मण से क्या कहा था?

जे. "तुम्हारे पिता कैसे हैं? क्या हालत है? उन्हें देखकर दुख होता है। आपकी मां कैसी हैं? दिल में दर्द क्यों होता है? हमें डर है कि वे अपनी आंखें खो देंगे। "भाई! हिम्मत रखिए ", उन्होंने कहा।

719. भगवान राम ने अपने वनवास के पहले दिन क्या खाया था?

जे. वह केवल पानी लेता था।

720. है। सीताराम अपने वनवास की पहली रात कहाँ सोए थे?

जे. लक्ष्मण सुमंत्री ने नलिकाओं को उठाकर और फैलाकर बिस्तरों की व्यवस्था की। "थका हुआ, साली, तुम भी नहीं सोती?" लक्ष्मण ने कहा। सो गए। सीताराम को इस तरह गहरी नींद आ गई या नहीं।

721 है। राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. उन्होंने कहा, "इन लोगों को देखकर दुख होता है। न खाना है, न पानी। "राम ने सिर हिलाया। "मैं आपकी बात नहीं सुन रहा हूँ, मैं आपकी बात नहीं सुन रहा हूँ। मुझे अभी भी डर है कि मैं मर जाऊंगा। हम उनके साथ समस्या का सामना नहीं कर सकते। "उन्होंने कहा।

722 .है। राम ने सुमंत्र को क्या निर्देश दिया था?

"अब धीरे-धीरे बिना किसी शोर के रथ को दूसरे किनारे पर ले आओ। "सुमन ने कहा। सुमंत्र फूलों और बादलों पर घोड़ों का नेतृत्व किया और उन्हें नदी के दूसरी ओर ले आया। यह सब नीचे है। "सौमेन! अब आप फिर से सड़क पर हैं! जाओ और अयोध्या की

अमरनाथ अमर

ओर जाने वाले रास्ते में रेत में कुछ दूरी तय करो। रथ के पहियों के निशान रेत में मजबूती से लगाए जाने चाहिए। गिरने की कोशिश करें। इसके बाद आप रथ को उस जमीन पर चलाते हैं जहाँ मुहरें नहीं होती हैं, और फिर इसे फिर से करते हैं! "राम ने कहा।

723. है। सीता ने राम से क्या पूछा?

"यह सब क्या है? मंत्री को परेशान क्यों करें? क्योंकि... लोग कल जागेंगे और हमें ढूंढेंगे। अयोध्या जाने वाले रास्ते में रथ के पहियों की छाप देखकर हम अयोध्या जाना चाहते हैं। वे सभी खुशी के साथ अयोध्या पहुंचेंगे। यही तो मैं चाहता हूँ! "राम ने कहा। "अच्छा", वह मुस्कुराया।

724. है। जब राम नहीं दिखे तो लोग कहाँ गए?

ए. सब लोग राम के रथ की गाड़ी का पीछा करने के लिए बाहर निकले और कहा, "एडी राम एडी राम"। कुछ देर बाद पहिये बंद हो गए। वह इस चिंता में अयोध्या गया कि और क्या करना है।

725. है। लोगों ने कैसा व्यवहार किया जब उन्हें पता चला कि राम नहीं आए हैं?

"क्या आप हमें धोखा दे रहे हैं? क्या आप हमें छोड़ देंगे? नागरिक रो रहे थे और पत्थर फेंक रहे थे।

726 राम ने बीच रास्ते में लोगों से क्या कहा?

"मां! अय्या! मुझे पता है कि तुम मुझसे कितना प्यार करते हो और

अपने दर्द को महसूस करते हो। जैसे मैंने अपने पिता के वचन का पालन किया है, वैसे ही आपको भी अपने कार्यों का पालन करना चाहिए। उन्हें जारी रखें। वे किसका काम करते हैं। यही सुंदरता और आनंद है। "उन्होंने कहा।

727 है। रथ ने लोगों को पार करने के बाद किस नदी को पार किया?
ए. नदी।

728. कौन सा मठ दक्षिण में स्थित है? ए. अगस्त्य

729. सबसे दक्षिणी नदी कौन सी है? जी. गोमती नदी

730 कोसल के दक्षिणी तट की सीमा कौन सी है?
जे. संदिकनादिथिरम

731. रुका हुआ रथ से उतरने के बाद भगवान राम ने अयोध्या में क्या किया?
जे. "यह इश्वाकु राजवंश के कई महान पुरुषों द्वारा शासित एक शहर है! मेरे जीवन को आशीर्वाद दें। कृपया मुझे सीता लक्ष्मण के साथ फिर से मिलने का सौभाग्य दें। "राम ने कहा। दर्द को महसूस करते हुए वह रो पड़े।

732. भगवान राम के रथ पर चढ़ने के बाद वे किस नदी के किनारे पहुंचे? जे. गंगा नदी

733. गंगा पार करने के बाद कौन सी जगह है? जे. श्रृंगेरी

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

734. किस पेड़ के नीचे बैठे हैं?

जे. सब लोग एक पेड़ की छाया में बैठे हैं।

735. भगवान राम के बारे में क्या?

जे. राम सीता लक्ष्मण के साथ रथ से उतर गए। उसने गंगा की ओर देखा। उनका जन्म दिव्य जगत में नारायण के चरणों में हुआ था। यह भगवान की आंतों से बहती थी। यह एक प्रहसन बन गया। गंगा नदी को हर तरफ बहते देख भगवान राम बहुत खुश हुए। घूमती हुई गंगा, ऊंचाइयों से बहती हुई गंगा, पवित्र गंगा, स्थिर खड़ी बहती हुई गंगा, इतने सारे रूपों में, इतने सारे रूपों में, राम को इस माँ के रूप में सोचते थे। उन्होंने हाथ जोड़कर नमस्कार किया। सीतालाक्ष्मण सुमंत्र ने भी गंगा को देखकर सिर झुकाया।

736. भगवान राम को श्रृंगेरी में किसने आमंत्रित किया था?

जे. गुफा

737. है। कौन है गुंडे?

जे. राम का दोस्त। श्रृंगेरी का मुखिया।

738. क्या कहा था भगवान राम ने?

जे. "हे राम! यह भी आपका राज्य है, यह भी आपका अयोध्या है। मैं तुम्हारे लिए कई तरह की चीज़ें लाया हूँ।"

739. क्या कहा था भगवान राम ने?

जे. राम कहते हैं, "हनुमान! मैं यह सब नहीं खाना चाहती जैसा

अमर

कि मैंने अपनी माँ से वादा किया था। लेकिन आप मेरे लिए दौड़ते हुए आए और प्यार से कहा कि यह राज्य भी अयोध्या है, तो मेरा पेट भर गया था। मेरे पिता को इन घोड़ों से बहुत प्यार है, वे हमें इतनी दूर ले जाकर, उन्हें घास आदि देकर थक गए हैं।

740. है। उस रात आपने क्या खाया?

जे. राम के उपासना के अंत में, लक्ष्मण पानी और फल लेकर उनके सामने खड़े थे। राम ने उसे स्वीकार कर लिया। पेट भरा हुआ है।

741. लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! मुझे और मेरे परिवार को राम पर गर्व है। हमारी बंदूकों और हथियारों को देखो। अधीर न हों। पूह! तुम सो जाओ। "उन्होंने कहा।

742. लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "अगर आप दोस्त होते तो आप क्या करते? अन्यथा, मैं अजेय जगदेकवीर और माँ श्रीराम को इस तरह चट्टानों पर लेटे हुए देखना बर्दाश्त नहीं कर सकता। मैं इस दर्द के साथ कैसे सोऊं? क्या आप सोते हैं? "लक्ष्मण ने कहा। वह रो पड़ा।

743. गुफा में रहने वाले व्यक्ति ने गंगा नदी पार करने के लिए क्या तैयारी की?

जे. गुहा ने गंगा नदी पार करने के लिए एक छोटी नाव बनाई।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

744. गंगा पार करने से पहले राम ने सुमंत्र से क्या कहा था?

जे. "आप हमारे साथ एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। थका हुआ है। आपकी अच्छाई को भुलाया नहीं जाएगा। "राम ने कहा। "हम पैदल चलेंगे। कुछ और मत सोचिए, रथ लेकर अयोध्या जाएं। "राम ने कहा।

745. राम ने क्या जवाब दिया?

जे. "क्या कोई और रास्ता है? क्या मुझे जाना चाहिए? क्या पापी को हाथ नहीं खाना चाहिए? क्या यही मेरा जीवन है? क्या यह मेरे जीवन का अंत है? यह सब इतना भ्रमित करने वाला है, मुझे समझ में नहीं आता। "उसने अपना सिर थामे रखा। "क्या मुझे तुम्हारे साथ रहना चाहिए? क्या मेरा तुमसे कोई रिश्ता है? "उन्होंने पूछा। उन्होंने राम को गले लगाया और उन्हें गले लगा लिया।

746. राम के लिए बरगद का दूध कौन लाया? जे. गुफा

747 है। राम क्यों आए?

जे. उन्होंने इसे अपने सिर पर रखा और अपने बालों को बांध लिया। नोटः माला उनके सिर और लक्ष्मण के सिर पर रखी गई थी। उसने अपने बालों को ब्रैड्स के नीचे एक ब्रैड में बांध दिया।

सीतारामलक्ष्मण गंगा पार करके आवली के तट पर गए। कुछ देर बाद वे एक पेड़ के नीचे चले गए।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

748. लक्ष्मण ने सोने से पहले क्या कहा था?

जे. "मुझे डर लग रहा है! हाथ में दर्द हो रहा है। मैं नहीं चाहती थी कि वह मुझसे और मेरी माँ से नाराज़ हो। तुम मेरे साथ क्यों दुखी हो? तो ऐसा ही करें। "यहां से चले जाओ! अपनी मां की रक्षा करें। भरत को यह भी बताएँ कि मैंने अपनी माँ को बचाने की कसम खाई है। "रामू रो पड़ा।

नोटः यह धूप है। सीतारामलक्ष्मी ने यात्रा की और उस क्षेत्र में पहुंचे जहाँ गंगा यमुना बहती है।

749 है। सीतारामलक्ष्मण ने प्रयाग में किसका आश्रम देखा था?

जे. भारद्वाज महर्षि

750. है। कौन हैं भारद्वाज महर्षि? जे. सात ऋषियों में से एक।

751. भारद्वाज महर्षि के पिता कौन हैं? भगवान बृहस्पति के पुत्र हैं।

752 है। भारद्वाज महर्षि की माता कौन हैं? जे. ममता

753 है। भगवान राम ने क्या माँगा?

जे. उन्हें ठहरने के लिए सही जगह दिखाएँ।

754. भारद्वाज महर्षि ने किस स्थान का सुझाव दिया था?

जे. चित्रकूट पर्वत

755. चित्रकूट पर्वत कहाँ है?

जे. चित्रकूट पर्वत माल्यवती के तट पर स्थित है।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

756. सीता ने यमुना नदी के बारे में क्या कहा?

जे. सीता ने यमुना का पानी पिया। आँखें बंद कर ली।
'मां! हमारा निर्वासन सफल हो और हम सुरक्षित रूप से लौटें। हम फिर से आपको एक शुभ समय पर सौ सूरह चढ़ाएंगे। मैं ब्राह्मणों को एक हजार गाय दान करूंगा। "उसने कहा। कुएँ से पानी निकालकर नदी में डाला जाता था।

757 है। बरगद के उस पेड़ का नाम क्या है जिसे यमुना नदी को पार करते देखा जा सकता है?

जे. शाममू

758. सीता के पेड़ का क्या हुआ?

जे. "महाराज! मेरा धनुष ले लो। हमारे जीवन को आशीर्वाद मिले। निर्वासन के बाद कौशल्या और सुमित्र से मिलने का सौभाग्य प्रदान करें। "उसने प्रार्थना की।

759. है। बीच रास्ते में सीता ने राम से क्या पूछा?

जे. रास्ते में हमने कई तरह के फूल, पौधे और पेड़ देखे। यह सीता ही थी जिसने राम से पूछा कि एक पेड़ उपयोगी क्यों है, कौन सा फूल एक आभूषण है और कौन सा पौधा स्वस्थ है।

760 .है। उस पेड़ का नाम क्या है जो पेड़ से निकलता है?

जे. नीला

Shrimad Ramayanm - अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

761. चित्रकूट पहाड़ी पर स्थित आश्रम का मालिक कौन है?

जे. महर्षि वाल्मीकि

762. महर्षि वाल्मीकि ने राम से क्या कहा?

जे. "यह जगह आपके बारे में है। यहां आराम से रहें। हमें भी आपकी मदद करने का मौका दें। "वाल्मीकि ने पूछा।

763.है। सीतारामलक्ष्मी ने पर्णशाला का निर्माण कहाँ किया था?

जे. परनासाला चित्रकूट पहाड़ियों पर बना है।

764. सुमंत्र कहाँ है?

जे. हालांकि सीताराम लक्ष्मण ने गंगा पार कर ली थी, लेकिन सुमंत्र कुछ समय के लिए श्रृंगेरीपुर में गुफा के आतिथ्य में रहे।

765. सुमंत्र अयोध्या क्यों नहीं जाना चाहते थे?

जे. मुझे अयोध्या वापस जाने की जल्दी नहीं है। मैं रामायण के बारे में सोच रहा था। अरे क्या! कौन जानता है। जब लक्ष्मण ने अपनी साली की पीड़ा को हर कदम पर देखा, तो वह रो पड़े। राम उसे वापस जाने के लिए कहता है। अगर राम सीता के प्रेम के साथ लौटते हैं... अगर वह यहाँ नहीं है तो क्या होगा? सुमंत्र सूर्योदय से सूर्यास्त तक गंगा के तट पर रथ के साथ तैयार था और उनका इंतजार कर रहा था।

766 है। गंगा के दूसरी ओर सुमंत्र को किसने बुलाया?

जे. गुफा

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

767. है। सुमंत्र ने गुहा से क्या कहा?

जे. "चलो राम! अगर मैं वहाँ नहीं हूँ तो मैं कैसे बता सकता हूँ? इतना अंधेरा क्यों है? "उसने चारों ओर देखा।

768. सुमंत्र अयोध्या कब गए थे?

जे. उन्होंने राम का इंतजार किया और तीन दिनों के बाद अयोध्या चले गए।

769 .है। शहर के लोगों ने क्या कहा?

जे. क्या बात है! हमारा राम कौन है? आपने राम का क्या किया? इसे कहाँ छोड़ गए? पूछा गया।

770. है। सुमंत्र ने शहर के लोगों से क्या कहा?

जे. राम गंगा को पार कर अवलिगट्टू पहुँचे। मुझे नहीं पता कि यह वहां से कहां गया। उन्होंने मुझे अयोध्या जाने के लिए कहा और मैंने राम के आदेश का पालन किया। "सुमन ने कहा।

771. है। सुमंत्र के आने पर दशरथ की क्या स्थिति थी?

जे. दशरथ धूल से ढका हुआ है। सिर खड़ा नहीं है। यह लटकता है। दशरथ अपनी आँखों में आँसू लेकर खड़े हुए और सुमंत्र की ओर देखा।

772 है। दशरथ ने सुमंत्र से क्या कहा?

जे. "आपने सीतारामलक्ष्मी को जंगल में प्रवेश करते देखा है, सुमंत्र को आशीर्वाद दें! आप आभारी हैं। "उन्होंने कहा।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

773 है। दशरथ ने सुमंत्र को देखकर क्या किया?

जे. "" "मेरे प्रभु किस पेड़ में सोते थे?" "" "" उसने क्या खाया? वह इस समय कहाँ है? कुछ बताइए? वे शब्द कहो, और मैं आनन्दित होऊँगा। "उन्होंने कहा। दशरथ भूल गए कि वे राजा हैं। उन्होंने हाथ जोड़कर प्रार्थना की।

774 है। सुमंत्र ने दशरथ से क्या कहा?

जे. "भगवान राम ने मुझे झुकने और आपके पैर पकड़ने के लिए कहा। "सुमन ने कहा। वह उठ खड़ा हुआ। उन्होंने हाथ जोड़कर सभी सदस्यों का अभिवादन किया। उन्होंने कहा, "आप सभी को बधाई। "उन्होंने कहा।

775. है। सुमंत्र ने कौसल्या से क्या कहा?

"मां! राम हमेशा आपके साथ रहेंगे। वह तुम्हारा सारा काम करेगा। उन्होंने अग्निहोत्रों की रक्षा करते हुए राजा के देवता के रूप में कार्य किया। शब्दों से परेशान न हों। भरत राजा शब्द को नहीं भूले। "कौसल्या रो पड़ी।

776. है। लक्ष्मण ने दशरथ को क्या कहा था?

लक्ष्मण ने क्या कहा? इसे छुपाएं! मुझे सब बता दो। "दास ने पूछा। "राजा ने राम के साथ बहुत अन्याय किया है। यही कारण है कि उन्होंने आपको अपनी पत्नी को चूमने पर पीछे देखने के लिए कहा। नहीं तो हर किसी को इस तरह से भुगतना पड़ेगा।

अमरनाथ अमर

इस बार उन्होंने और अधिक जानकारी मांगी। अन्यथा, उन्होंने बार-बार कहा कि महाराजा कुकर्मों का कारण होंगे, जिसके लिए उन्हें दंडित किया जाएगा। "सुमन ने कहा। दशरथ इन शब्दों से प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि उन्हें इस तरह का कोई डर नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पिता होने पर शर्म आती है। इसके बाद, उनकी माँ, पिता, गुरु और उनके सभी रिश्तेदारों ने कहा कि वे भगवान राम थे। "सुमन ने कहा।

777. है। दशरथ ने सुमंत्र से क्या पूछा?

सुमंतरा! क्या आप मेरी कुछ सहायता कर सकते हैं? "राजा से कहो", "इससे पहले कि वह बहुत दूर जाए, मुझे राम के पास ले आओ।" वरना, अगर मेरी बात अभी भी राज्य में मान्य है, तो जाओ और राम को तुरंत वापस लाओ! मैं अपने जीवन और अपनी आशा के प्रकाश राम के बिना, एक पल के लिए भी नहीं जी सकता। "दास ने कहा।

778. कौशल्या ने सुमंत्र से क्या पूछा?

"सुमन! मैं तुम्हारा हाथ पकड़कर तुम्हें अपने बच्चों के पास ले जाऊंगा। जिस तरह से तुम आए थे वही है, चलो यहाँ से चलते हैं। मैं सीताराम-लक्ष्मण के बिना अयोध्या में नहीं रह सकता। "उसने कहा।

779 है। कौसल्य ने दशरथ पर अपना गुस्सा कैसे निकाला?

ए. दिल में कोई दर्द नहीं है। यह और बढ़ रहा है। गुस्से को देखो।

अमरनाथ अमर

दशरथ प्रफुल्लित हो जाते हैं। पानी पीते हैं। बर्दाश्त नहीं हो पा रहा है। उसने सारा पानी इकट्ठा किया और फेंक दिया। दशरथ के हाथ से पानी की एक बूंद गिरी। देखकर हैरान रह जाते हैं।

780 है। कौसल्य ने दशरथ से क्या पूछा?

"मैंने कहा! जो अपने वचन पर चलता है, और अपने वचन पर अपना राज्य बनाता है, और मेरे पेट को मारता है! मैंने ऐसा क्या किया है कि तुम मेरे बच्चों को मुझसे दूर ले गए हो? "कौसल्या ने पूछा। यदि आप बच्चों के साथ जंगल में जाते हैं, तो आप जीवित हैं। जब तक तुम जीवित हो, मैं नहीं कर सकता। यह धर्म नहीं है। मैं तुम्हें नहीं छोड़ सकता, मैं अपने बच्चों को नहीं छोड़ सकता। मैं कैसे जीऊंगा? "कौसल्य ने दशरथ के चेहरे पर अपना चेहरा रखा और जोर से रोया।

781. उसके मन में क्या था?

जे. दशरथ। उसे लगा कि उसने अपने जीवन में कुछ गलत किया है। लैला ने कुछ देखा। बेटे को दर्द से कराहते देखा गया। वह! हां! दशरथ ने किसी जन्म में नहीं, बल्कि इस जन्म में पाप किया था। उसने ठहाका मारा।

782. कौसल्य ने दशरथ से माफी क्यों मांगी?

जे. जब दशरथ कौसल्य के पैर पकड़े हुए थे, तब कौसल्य ने दशरथ को पीछे धकेल दिया और अपने पैरों को आगे खींचा। वह फूट-फूटकर रोया। हम दशरथ की गोद में झुक गए और हाथ

अमरनाथ अमर

जोड़कर झुक गए। अधिक आँसू। "राम पाँच दिनों के लिए जंगल गए थे। पाँच दिन हो गए हैं। मैंने तुमसे कई शब्द कहे, दर्द सहने में असमर्थ, यहाँ तक कि बंधे पति या राजा को देखने के लिए भी नहीं। गलत! तुम्हें मुझे माफ कर देना चाहिए। "यह कौसल्या है। वह दशरथ के चरणों में गिर गया।

783. है। युवावस्था में उन्होंने क्या गलत किया?

जे. दशरथ ने जंगल में शिकार करते समय एक हाथी को गोली मारने के लिए एक तीर का इस्तेमाल किया, जिसने एक ऋषि के बेटे को मारा और उसे मार डाला।

नोटः गोली मर चुकी थी। श्रवण का पुत्र

784. शिक्षा क्या है?

जे. जो शिक्षा यह इंगित करती है कि ध्वनि कहाँ से आती है, उसे शोर करने वाला कहा जाता है।

785. मुनि के पुत्र ने दशरथ से क्या पूछा?

जे. मैं मुनि का पुत्र हूं, तपस्या कर रहा हूं और अपने माता-पिता की देखभाल कर रहा हूं। तुमने मुझे इस तरह क्यों गोली मारी? उन्होंने पूछा।

786. मुनि के बेटे को दशरथ का क्या जवाब था?

जे. मैंने तुम्हें नहीं मारा, मैंने पीने के पानी की आवाज पर हाथी की तरह तीर छोड़ दिया। यह मेरा दुर्भाग्य है कि तीर ने आपको मारा।

787 है। उन्होंने अपने बेटे से क्या कहा?

जे. मुनि के बेटे ने मुझे देखा और कहा, 'डरो मत, तुम्हारा ब्रह्म-हठ में कोई दोष नहीं है, क्योंकि मेरे पिता वैश्य हैं और मेरी माँ शूद्र महिला हैं, इसलिए मुझे शाप देने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन मेरे माता-पिता दोनों अंधे हैं और जंगल में बैठे हैं। जब मैं हर दिन एक किताब पढ़ता हूं, तो मैं उसे सुनता हूं। मैं उन्हें खाना और पानी देता हूं। अब वे भूखे हैं, इसलिए मैं यहाँ आया हूँ। यह पानी ले लो और मेरे माता-पिता को दो। मैं यह दर्द बर्दाश्त नहीं कर पा रहा हूं क्योंकि यह तीर मुझमें है, इसलिए इस तीर को ले लो।

788. दशरथ ने मुनि के पुत्र की बातें सुनकर क्या किया?

जे. अगर वह तीर ले जाता है तो वह मर जाता है, अगर वह नहीं ले जाता है तो वह दर्द सहन नहीं कर सकता है, इसलिए वह पीड़ित नहीं होना चाहता है या उसने तीर ले लिया है। बच्चे की तुरंत मौत हो गई।

789. है। मुनि के पुत्र की मृत्यु के बाद दशरथ कहाँ गए?

जे. वह पानी लेकर अपने माता-पिता के पास गया।

790। दशरथ के चरणों की आवाज़ सुनकर मुनि के बेटे के माता-पिता ने क्या कहा?

जे. मुनि के माता-पिता ने सोचा कि यह उनका बेटा है जो आया था और कहा, "नैना, तुम इतने लंबे समय से कहाँ गई हो, तुम्हारी माँ ने तुम्हारी देखभाल की है। "उसके पिता ने पूछा।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

791. उसने अपने माता-पिता को क्या बताया?

जे. जब मुनि ने बेटे के पिता से पूछा, तो दशरथ ने उन्हें बताया कि क्या हुआ था। मैंने गलती की और मैंने आपके बेटे को मार डाला।

792. है। मुनि के बेटे के पिता ने दशरथ को क्या शाप दिया?

जे. "अब मैं अपने बेटे पर कैसे गिर गया 'हा! बेटा, अरे! मेरे बेटे, तुम दुख से मर रहे हो, और तुम भी रो रहे हो, 'हा! मेरा बेटा मर जाएगा।

793. है। उनके बेटे को कौन स्वर्ग ले गया? जे. इंद्र

794. है। इंद्र मुनि के पुत्र को स्वर्ग क्यों ले गए?

जे. मुनि के बेटे की अपने माता-पिता की सेवा से प्रसन्न इंद्र उसे स्वर्ग ले गया।

नोटः इंद्र मुनि के बेटे को अपने रथ में ले गए। अपने दो बच्चों के नुकसान को सहन करने में असमर्थ, बुजुर्ग दंपति की मृत्यु हो गई।

795. जगह क्या है? जे. सरयू नदी क्षेत्र।

796 है। जब कौशल्या ने मुनि के बेटे की घटना सुनी तो उसने क्या कहा?

जे. "सभी को शर्म आनी चाहिए! नहीं, न करें। "यह कौसल्या है।

797. है। दशरथ ने कौसल्य से क्या कहा?

जे. एक पिता अपने बच्चे को कभी नहीं छोड़ता। इस तरह मैंने अपने पति को छोड़ दिया। राम जंगल में चले गए। मेरा बेटा एक वेश्या है। मैं विनम्र हूँ।

निर्दोष। मुझे जीने का कोई अधिकार नहीं है। "दशरथ ने कहा।

798. उसकी मौत कैसे हुई?

जे. मैंने जो किया वह पाप था। मेरे कानों ने भी नहीं सुना। मैं अपनी आँखें नहीं देख सकता। मैं अपनी याददाश्त भी खो रहा हूँ। सब कुछ गड़बड़ है। कुछ स्वर्गदूत मेरी जान लेने आ रहे हैं। मुझे राम को देखने का मौका नहीं मिला है। मैंने कुछ गलत नहीं किया, मुझे खेद है। कौसल्य, सुमित्र, राम, राम...

799 है। कौसल्य और सुमित्र को कैसे पता चला कि दशरथ की मृत्यु हो गई है?

कौसल्य, सुमित्र और दशरथ मरने वाले थे। वे वहीं सो गए। अगली सुबह सुअर आया और धन्यवाद दिया, लेकिन जब राजा लंबे समय तक नहीं उठा, तो उसने कौसल्य से पूछा, जो वहाँ सो रहा था, कि भगवान हिल नहीं रहे थे। फिर कौसल्य ने पर्दे हटा दिए और अंदर जाकर दशरथ को मृत पाया।

800. कैका को दशरथ की मृत्यु के बारे में किसने बताया?

जे. मन्थरा।

801. दशरथ के शरीर को कैसे संरक्षित किया गया?

जे. दशरथ के शरीर को तैला द्रोण में रखा गया था।

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

802. तावीज क्या है?

जे. एक तेल टंकी एक ऐसी टंकी है जिसमें विभिन्न प्रकार के तेल होते हैं

803. शासकों और मंत्रियों ने वशिष्ठ से क्या कहा?

जे. "यह एक शानदार रात थी! ज्यादा देर इंतजार करने की सलाह नहीं दी जाती है। संदूषण का खतरा है। इसलिए, कृपया भरत को तुरंत राज्य का कार्यभार संभालने के लिए लाएँ। "उन्होंने कहा।

804. वसिष्ठ ने स्वर्गदूतों को क्या करने का आदेश दिया था?

जे. "आप जाओ और भरत शत्रुघ्न को तुरंत अयोध्या आने के लिए कहो। "उन्होंने कहा।

805. वसिष्ठ ने स्वर्गदूतों को क्या चेतावनी दी थी?

"उन्हें राजा की मृत्यु या राम के जीवन के बारे में कुछ नहीं पता होना चाहिए। आपके चेहरे पर कोई उदासी नहीं है। "उन्होंने आगाह किया।

806. स्वर्गदूतों ने पहले किस शहर को पार किया?

ए. हस्तिनापुर

807 है। आप किस नदी तक पहुँचे? जी. गंगा

808. आप गंगा से किस रास्ते गए थे? जे. पश्चिम की ओर

809 है। पश्चिम में कौन सा देश है? जे. पांचाल प्रदेश

810 .है। आपने कौन सी नदी पार की? जे. शारदा नदी

811. सारंडा नदी पार करके आप किस शहर में पहुँचे?

जे. कुलिंगा शहर

अमरनाथ अमर

812 है। कुलिंगा शहर पार करके आप किस नदी पर पहुँचे?

जे. इक्ष्मुति नदी

813. इक्षुति नदी पार करके आप किस देश पहुँचे?

जे. बाहरी देश

814. बहलिका देश से होते हुए आप किस पर्वत पर पहुँचे?

जे. सुदामा पर्वत

815. सुदामा पहाड़ पार करने के बाद आप किस नदी तक पहुँचे?

जे. विपासा नदी

816. विपासा नदी पार करके आप किस शहर में पहुँचे?

जे. गिरिराजपुर।

817. गिरिराजपुर किस देश की राजधानी है?

जे. कैकेयी देश की राजधानी है।

818. जिस रात स्वर्गदूत शहर में आए, उस रात भरत को क्या सपना आया था?

जे. जिस रात दूत शहर पहुँचे, भरत अपने हृदय में दर्द के कारण सो नहीं सका। यह किसी भी समय आता था। वह अपने पिता की मृत्यु का सपना देख रहा था। कोई आकाश के रास्ते में दशरथ को ले जा रहा है। उसके पिता ने फोन नहीं किया। पीछे मुड़कर न देखें। भरत परेशान है।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

819. भरत ने अपने सपने के बारे में किसे बताया?

जे. भरत ने अपने दादा, भाई और दोस्तों को रात के अपने सपने के बारे में बताया और रोया।

820. अयोध्या के तीर्थयात्रियों ने भरत से क्या कहा?

जे. "अयोध्या में एक काम आपको तुरंत करना चाहिए! इसलिए, उन्हें तुरंत जाने का आदेश दिया गया। "उन्होंने कहा।

821. वह क्या सोच रहा था?

जे. यदि महर्षि तुरंत जाना चाहते हैं तो क्या होगा? इस आदेश के पीछे क्या कारण है? वह सोच में पड़ गया।

नोटः-भरत ने अपने दादा और चाचा को अयोध्या से उपहार भेंट किए। बाद में, उन्हें उनसे दो करोड़ सोने के गहने, रथ, ऊंट, गदहे, घोड़े, खच्चर, कंबल और कपड़े मिले। उन्होंने अपने दादा और चाचा को प्रणाम किया और अपने छोटे भाई शत्रुघ्न के साथ रथ पर चढ़ गए। वह वहाँ से निकल गया।

822 है। उनके साथ कौन था?

जे. भरत शत्रुघ्न के साथ अश्वपति महाराज और उनका पुत्र कुछ दूरी पर आ गए।

823. है। भरत शत्रुघ्न ने अपने रास्ते में किन नदियों को पार किया?

जे. उन्होंने चार नदियों-सुदामा, ह्लादिनी, सतद्रुव और शिलवाह को पार किया।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

824. आप किन शहरों में गए थे?

जे. वहाँ से शल्य ने करतना शहर और चैत्र रथ शहर को पार किया।

825 . है। आप किन नदियों को पार करते हैं?

जे. गंगा और सरस्वती नदियाँ उफान पर थीं।

826. है। आप किस देश गए थे?

जे. वे एक देश में आए थे।

827 .है। आपने कौन सी नदी पार की?

जे. उन्होंने कुलिंग नदी को पार किया और महारण्यम में प्रवेश किया।

828. आपने कौन सी नदी पार की?

जे. उन्होंने भागीरथी नदी को पार किया।

829. भागीरथी नदी पार करके आप किस शहर में पहुँचे?

जे. वे शहर पहुँच गए।

830. है। आपने कौन सी नदी पार की?

जे. नदी पार की।

831. आपने किन गाँवों को पार किया?

जे. वे धर्मवर्धन, तोराना और वरुथी गांवों से होकर गुजरे।

832. आप किस शहर में गए थे?

जे. वे उज्जा शहर में आए।

833. आप किस गाँव से आए हैं?

जे. सरस्वती तीर्थ गाँव

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

834. सरस्वती तीर्थ किस नदी को पार करता है?

जे. उत्तानिका नदी

835. उत्तानिका नदी से आप किस गाँव पहुँचे?

जे. वह गाँव में घुसा।

836. आपने कौन सी नदी पार की?

जे. नदी पार की।

837. कुटिका नदी से किस शहर तक पहुँचा गया था?

जे. वे कपिवती नगर पहुँचे।

838. कपिवती किन गाँवों को पार करती है?

जे. एकशाला और स्थानुमती के गाँवों को पार किया गया।

839. आपने कौन सी नदी पार की?

जे. वे गोमती नदी को पार कर रात भर की यात्रा के बाद अयोध्या शहर पहुंचे।

840 है। कैकेयी की भूमि से भारत के दुश्मनों को अयोध्या आने में कितने दिन लगे?

जे. सात-आठ दिन।

841. जब भरत अयोध्या आए, तो वे पहले कहाँ गए?

जे. वह मंदिर गया।

842. जब दशरथ प्रकट नहीं हुए तो भरत कहाँ गए?

जे. वह अपनी मां के घर गया।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

843. उसने क्या माँगा?

जे. "मेरे पिता कहाँ हैं? वह यहाँ नहीं है, और तुम वहाँ नहीं हो आप कहाँ हैं? "जवाब हैरान करने वाला था।

844. भरत की क्या प्रतिक्रिया थी?

जे. कैका ने कहा, "आपके पिता, राजा दशरथ, पुण्यलोक में पहुँच गए हैं और मर गए हैं।"

भारत

845. दशरथ ने आखिरी बार क्या कहा, इस सवाल का कैका ने क्या जवाब दिया?

जे. "हे श्री राम! आप उपासक हैं। धन्य हैं वे जिन्होंने आपको बड़ी सफलता के साथ अयोध्या में फिर से प्रवेश करते देखा है। आपके पिता की मृत्यु हो गई क्योंकि जो लोग आपको देख सकते थे वे भगवान थे, साधारण लोग नहीं। ये उनके पिता के अंतिम शब्द थे। "यही तो है।

नोटः -

भरत ने कहाः "लोग कहाँ गए हैं? तुम क्यों चले गए? "भरत ने पूछा। "बोलो? यह सब क्या है? मैं अपने हाथों से नहीं खेलता। में तो उसे देख भी नहीं सकता।"

कैकाभारत ने कहाः "अब मैं उन दो वरदानों को चुकाना चाहता हूँ जो राजा ने मुझे दिए हैं।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

अगर तुम राम को युवावस्था का मुकुट दोगे, तो मैं तुम्हें दूंगा, राम को नहीं। यह एक उपहार है। एक अन्य वरदान के अनुसार, मैंने राम से जंगल में रहने के लिए कहा। मैं चौदह साल से नरक में हूँ।

"भरत को आश्चर्य हुआ। वह अपनी माँ से दूर हो गया।'

हाथ के साथः-"अपने पिता के आदेश के अनुसार, राम जंगल में चले गए। सीता और लक्ष्मण भी उनके साथ थे। मैं उन्हें छोड़ना नहीं चाहता था।

भरत ने एक और कदम उठाया। वह अपनी माँ से बहुत दूर था।

कैका ने भरत से कहाः "मैंने अपने वरदान मांगे, और उनका भुगतान करने के बाद, आपके पिता राम से चले गए। दर्द सहने में असमर्थ, वह मर गया। "यही तो है।

वह एक कदम और पीछे हट गया। अपनी माँ से जितनी दूर होगी, उतना ही बेहतर होगा।

कैका ने भरत से कहाः "तुम्हें अपने पिता का अंतिम संस्कार करना होगा। यही कारण है कि वे आपको यहाँ लाए हैं। मेरे पिता के कर्मों के बाद, यह राज्य आपका है! मंत्री आपको राजा बना देंगे।

"यही तो है।

भरत भागने के लिए दीवार से कूद गया। वह उठ खड़ा हुआ।

उन्होंने कहा, "भाई! जो हुआ वही हुआ। राजा की मृत्यु हो गई और सीतारामलक्ष्मण जंगल में चले गए।

अमरनाथ अमर

आपको उनके बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। आप अपने बारे में सोचते हैं! राजा! खजाने को जब्त करें! इस महान राज्य पर शासन करें, और आपसे बड़ा कोई नहीं है! यह मेरी माँ की इच्छा है। करीब आ रहा है।

846. आपने भरत से क्या सुना?

जे. "बदमाशी! यहाँ रुको, पास मत आओ। "यह भारत है। उनकी आवाज तीखी थी। मंदिर की बत्तियाँ बंद कर दी गईं। वहाँ अंधेरा था।

847. प्रभु ने क्या आज्ञा दी?

जे. "आपने मुझे बर्बाद कर दिया है। आपने मुझे बिना पिता और भाई के छोड़ दिया। क्या आप जानते हैं कि इस पाप का परिणाम क्या है? आप इस देश में हमेशा के लिए नहीं रह सकते। इस देश को छोड़ दो। "

848. मंत्रियों और मंत्रियों का क्या?

जे. "अरे! मंत्रियों! सच मानिए, मैंने इस राज्य की कभी उम्मीद नहीं की थी। मुझे उम्मीद है कि मेरी मां ने ऐसा नहीं किया होगा। मैं नहीं जानता! मैं अभी आया हूँ। मेरा विश्वास कीजिए "। उन्होंने उनसे हाथ मिलाया और उनका अभिवादन किया।

नोटः पूरी इमारत जल गई थी। कौसल्य को एहसास हुआ कि भरत आ गया है जब उसने कैकामंदिर से गर्जना सुनी।

मैं उसे देखने गया। आइए हम उसके मंदिर को पार करें,

अमरनाथ अमर

और हाथ में हाथ डाले चलें। यह गिर जाएगी। खड़ा हो गया। असहनीय दर्द, दोनों के साथ नहीं जा सकता। इस बार वह खड़ा नहीं हो सका। जब भरत को पता चला कि उसकी दादी शाही गली में गिर गई है, तो वे दोनों भाग गए। कौसल्या पास आई।

849. आप भारत के बारे में क्या सोचते हैं?

जे. "दादी और दादा", उसने उन्हें करीब पकड़ते हुए कहा। कौसल्य ने भरत की ओर देखा। यह उसके हाथों से निकल गया। "सोचा।

850. कौसल्या को क्या हुआ?

जे. "तुम्हारी माँ ने क्या गलती की है? उसने क्या पाप किया है? क्या तुम मुझे राम नहीं भेजना चाहते हो? इसे तुरंत मेरे पास भेजें। मैं चला जाऊँगा ", उसने कहा।

851. कौसल्य ने भरत से क्या मदद माँगी?

जे. "नैना! कृपया मेरी मदद करें! मेरे पास तुम्हारे पिता की अनन्त अग्नि है। यही कारण है कि आपने मुझे और सुमित्र को अपने पिता के पार्थिव शरीर के साथ चित्रकूट भेजा, जहाँ राम थे। राजा का दाह संस्कार वहीं किया जाएगा और हम वहीं रहेंगे। "यह कौसल्या है।

852. भरत ने कौसल्य से क्या कहा?

जे. "दादा जी! ईमानदारी से, मैं कुछ नहीं जानता। मेरी माँ ने जो किया उसके लिए क्या आप मुझे दोषी ठहराएँगे? तुम्हें नहीं पता कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूँ?

मैं यहाँ अपने पिता, अपनी बड़ी बहन के साथ हूँ, बहुत दूर, और मुझे अपने पाप का पता नहीं है। अगर मैं चाहूंगा, तो मैं वादा करूंगा। "भरत ने कहा।

853. उन्होंने भरत से क्या कहा?

जे. वशिष्ठ भरत के दुश्मनों के पास गया। "तुम कब तक कष्ट सहोगे? पश्चाताप करने का कोई मतलब नहीं है। साहस रखें, उठें और अपने पिता के आने की तैयारी करें। "उन्होंने कहा।

854. आग किसने लगाई? जे. भारत

855. दशरथ के उत्तरक्रियों के बाद भरत ने क्या दान किया?

जे. भरत ने ग्यारह दिनों तक अपने पिता के लिए अनुष्ठान किए। बारहवें दिन उन्होंने अनुष्ठान किए। उसी दिन उन्होंने पैसे, कपड़े, सफेद बकरियाँ, सैकड़ों गायें और नौकरानियाँ दान में दीं।

856. दुश्मन ने क्या कहा?

जे. "नहीं हो सकता! मैं अपने भाई राम के बिना अयोध्या में या अपने पिता के बिना अयोध्या में नहीं रह सकता। मैं मर जाऊँगा। मैं आग में मर जाऊँगा। नहीं तो मैं नरक जाऊंगा। "शत्रुघ्न ने कहा।

857. दुश्मन ने क्या कहा?

जे. "मैं तुम्हारे साथ जाऊँगा, और तुम मेरे साथ रहोगी। "भरत ने कहा।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

858. दुश्मन ने क्या कहा?

जे. जब वशिष्ठ ने देखा कि दोनों भाई दुखी हैं, तो उन्होंने सोचा कि सुलह करना आवश्यक है। वह उनके पास गया। उसने अपने दोनों हाथों को अपने कूल्हों पर रख दिया। "गलत! गलत हैं। यह शोक करने का तरीका नहीं है। उठो और देखो क्या हो रहा है। भूख, प्यास, दुख और बुढ़ापे की मृत्यु से कोई नहीं बच सकता। यह आपको पता नहीं है। मेरी बात सुनो, उठो। "उन्होंने कहा।

859. मंदिर में भारत के दुश्मनों को किसने देखा है? जे. मन्थरा

860. आप भारत के बारे में क्या सोचते हैं?

जे. वे दोनों मंदिर में बैठे हैं। मैंने उन्हें देखा। खुशमिजाज। उसकी पूंछ कांप रही थी। योजना को लागू कर दिया गया है। सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है। भरत राजा बनने जा रहा है। उसे बधाई। और वह प्रशंसा पाना चाहता था।

861. द्वारपालों का क्या?

जे. "मेरे स्वामी, मैं अपने पति से मिलने आया हूँ। अंदर जाओ। "मैडम।

862. द्वारपाल मंथार को कहाँ ले गए?

जे. भरत को दुश्मनों के पास ले जाया गया।

863. द्वारपालों ने भरत और शत्रुघ्न से क्या कहा?

जे. 'हे राजा! ये कुकर्म मेरे पिता की मृत्यु और राम के निर्वासन का कारण थे। इसमें कोई पाप नहीं है।

864. शत्रुघ्न ने मंथार को कैसे दंडित किया?

जे. दुश्मन। वह उठ खड़ा हुआ। मंदार ने उसे पकड़ लिया। उसने उसे उठाया और उसके कंधे पर थपथपाया। "अम्मा", उसने कहा। दम तोड़ दिया। कैका और परिचारक दौड़ते हुए आए। जैसे ही वे देख रहे थे, शत्रुघ्न ने मंदारा को बंदूक छीनते हुए जमीन पर खींच लिया और उसे दीवार पर जोर से फेंक दिया। वह दीवार से टकराई और नीचे गिर गई। किसी ने ऐसा करने की हिम्मत नहीं की। "अम्मा! अगर मैं ऐसा नहीं करूँगा, तो यह दुश्मन मुझे मार डालेगा। "मंदिरा उसके पास गई। उसने उसके पैर पकड़ लिए। मंदिरा जागती है। उसने उसे ऐसा करने का मौका नहीं दिया। मंदिरा पीछे मुड़ गई। बाराब्बास हँस पड़े। आग में सारे गहने जलकर खाक हो गए। परिचारकों ने उन्हें अपने पैरों से दूर धकेल दिया जैसे कि करीब आने वाले मंधार के गहनों को छूना एक बड़ा पाप था। यदि कौसल्य को शरण लेने के लिए कहा जाता, तो यह झगड़ा शांत हो जाता। वह मंदिर की ओर चल पड़ा।

Shrimad Ramayanm - अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

865. भारत ने दुश्मन का क्या किया?

जे. शत्रुघ्न मन्थर को मार रहा था, वह उस हाथ को भी मारने जा रहा था जो मन्थर को बचाने जा रहा था। वह डर गया और भारत चला गया। तब भरत ने कहा, "सभी स्त्रियों को मरने दो! न केवल यह आदमी, बल्कि मुझे अपनी माँ से अधिक दया नहीं है, अन्यथा राम मुझसे नफरत करते अगर मैं उन्हें मार देता। सुनो, जाने दो। "उन्होंने कहा।

866. दुश्मन ने क्या कहा?

जे. दुश्मन ने उसे देखा और कहा, "श्श्" । उन्होंने कहा, "मेरा भाई जीवित है। या आप अपना अंत देखेंगे। "उन्होंने कहा। कासिदिरा अपने हाथ से शांत हो गई।

867 . है। मूंछ के बारे में क्या?

जे. "अम्मा, अम्मा, अम्मा। उसने अपने पैरों को लपेटा।
"मुझे बताओ, क्या मेरे साथ कुछ गड़बड़ है? नहीं नहीं!
मैंने तुम्हारे लिए सब कुछ किया है। क्या यही परिणाम है?
"मंदिरा ने अपना सिर अपने हाथों में रखा। आंसुओं की धारा बह निकली।

868. आप खुद को कैसे सांत्वना देते हैं?

जे. "अरे! आओ "। उसने अपने रूमाल से आँसू पोंछ लिए।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

869. दुश्मन का क्या?

जे. "शत्रुघ्न भविष्य की राजमाता को देखे बिना मुझे भी मारने आए। अब ऐसा नहीं है, पहले भरत राजा है, फिर हम देखेंगे। "यही तो है।

870 है। दुश्मन का क्या?

जे. "वाणी... अगर मैं उस दुश्मन को तलवार से मुट्ठी में काट भी दूं, तो भी मेरे मन को शांति नहीं मिलेगी। "मैडम।

871. शासकों ने क्या कहा?

जे. शासकों ने भरत से संपर्क किया। उन्होंने सभी संकेत दिखाए। जैसा कि अनुरोध किया गया था।

"चलो! तुम्हारे पिता ने लक्ष्मण के साथ राम को जंगल में भेज दिया और उनकी मृत्यु हो गई। गुड लक। राज्य अब तक बिना किसी समस्या के सुचारू रूप से चल रहा है। ऐसा करने के लिए, आपको एक राजा होना चाहिए। कृपया देर न करें। ज़्यादा न सोचें। जल्दी से इस राज्य को ले लो और हम पर शासन करो। "उन्होंने कहा।

872. है। शासकों को भारत का क्या जवाब था?

जे. "प्यारी! हमारे परिवार में सबसे बड़ा व्यक्ति राज्य पर शासन करता है। आप इस संस्कृति को नहीं जानते। अन्यथा, मैं अपनी माँ की इच्छाओं को पूरा नहीं करूँगा, जो केवल एक नाम है। मैं इस देश का राजा नहीं हूँ। इसके अलावा, मैं जल्द ही जंगलों में जाऊंगा और अपने भाई रामचंद्र से मिलूंगा।

अमरनाथ अमर

मैं प्रार्थना करूंगा और सीतालाक्ष्मणों सहित उनके साथ अयोध्या जाऊंगा। भगवान राम अयोध्या के राजा हैं। उसे राजा होना चाहिए। "उन्होंने कहा।

873. है। भरत ने शासकों को क्या करने का आदेश दिया?

जे. "देर मत कीजिए। हम सब चिन्नकूट चलते हैं, आते हैं। मैं भी तुम्हारे साथ चलूँगा। चले जाओ। इन व्यंजनों को आजमाएं। हमें वहाँ जल्दी पहुँचने के लिए वाहनों को तैयार करने की आवश्यकता है। पटरियों को बिछाने और रास्ते में बाकी व्यवस्थाओं का ध्यान रखने के लिए बढ़ई और राजमिस्त्री नियुक्त करें। कोई दूसरा विचार न करें, आगे बढ़ें। "भरत ने कहा।

874. है। आपातकालीन बैठक किसने बुलाई? जे. वशिष्ठ

875. वशिष्ठ ने भरत से क्या कहा?

जे. "बेटा! तुम्हारे स्वर्ग में रहने वाले पिता ने तुम्हें यह राज्य धार्मिकता से शासन करने और शासन करने के लिए दिया है। अपने पिता के आदेश का पालन करते हुए, श्री राम निर्वासन में चले गए। पिता, आपको उस राज्य को स्वीकार करना चाहिए जो अन्ना ने आपको दिया है। स्नातक की आवश्यकता होती है। हम चाहते हैं कि आप राजा बनें। इसमें कोई संदेह नहीं है। "उन्होंने कहा।

876. भरत वशिष्ठ के शब्दों के बारे में क्या सोचते थे?

जे. क्या ये गुरु और महर्षि के शब्द हैं? वह गलत है, है ना?

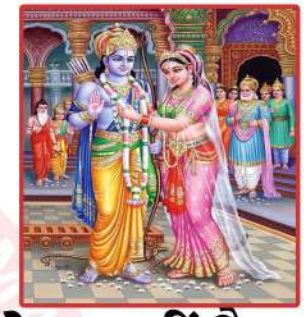

क्या अधर्म धर्म उतना ही है जितना गुरु कहते हैं? नहीं ऐसा नहीं है। यह क्या बात है! भरत गलत नहीं था।

877 है। भरत का क्या जवाब था?

जे. पति जी। वह मंद स्वर में बोल रहा था। "ये तुम्हारे शब्द नहीं हैं। मैं सबसे महान नहीं हो सकता, लेकिन मैं सबसे बुरा नहीं हूं। वह एक किंगमेकर से ज्यादा कुछ नहीं हैं। दशरथ के पुत्र जिन्होंने धर्म के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। मैंने अपने पिता को बुरा नाम नहीं दिया। "मंत्री उनके शब्दों से हैरान थे। क्या आपने सुना? वे एक-दूसरे की ओर देखने लगे। "महाराज! मुझे अपनी माँ नहीं चाहिए। भगवान राम इस देश के राजा हैं। वह इस राज्य का शासक है। आपको इसकी कोई जरूरत नहीं है। मैं सिर्फ उसका सेवक हूं। "भरत ने कहा।

878. उन्होंने चर्च में लोगों से क्या कहा?

जे. "सज्जनों! मेरा फैसला सुनें। मैं अपने भाई रामचंद्र को लेने जंगल जा रहा हूँ। मैं उसे किसी भी कीमत पर वापस लाऊंगा। मैं उसके आने का इंतजार करूँगा। अगर वह नहीं... लक्ष्मण की तरह, मैं भी अपने भाई रामचंद्र से चिपक जाता हूं और जंगल में रहता हूं। "भरत ने कहा।

879 है। उन्होंने भरत से क्या कहा?

जे. "हम राम भाई के पास जा रहे हैं, सेना तैयार करो। "हाँ", उन्होंने कहा।

880. राम के पास कौन गया?

जे. भरत के कहने पर सुमंत्र ने सेना तैयार की। "चलो! अगर आपको कोई आपत्ति नहीं है, तो हम राम के लिए आपके साथ आएंगे। "अधिकारियों ने कहा। वह आगे बढ़ गया। वशिष्ठ ने भी धीरे से मुस्कुराते हुए उनका पीछा किया।

881. कमरे में अकेला कौन था? जे. कैकेयी

नोटः मैं अकेला रहना चाहता था। जिस व्यक्ति के लिए उसने अपने पति को खो दिया, जिसके लिए वह राम को नहीं चाहता था, जिसके लिए उसने अपना प्यार साझा किया और पालन-पोषण किया, वह व्यक्ति उसका अपना नहीं है। पकड़ा गया। तुम मेरी माँ नहीं हो, मैं तुम्हारा बेटा नहीं हूँ। वह खुद को राजा के रूप में नहीं देखता था। राजा राम। वह इस राज्य पर शासन करेगा, और अगर वह ज़ोर से बोलेगा, तो वह जंगल में रहेगा। वे भाईचारे के प्रतीक थे। उन्होंने एक संबंध बनाया। यह किसके लिए है? किसे बचाने के लिए? हाथ।

882. मूंछ के बारे में क्या?

जे. "तुम रो क्यों रही हो? धैर्य के साथ, सब कुछ योजना के अनुसार होगा। "मैडम। हाथ को करीब रखा जाएगा।

अमरनाथ अमर

883. गाड़ी कौन चला रहा था?

जे. जब उसने राजा को देखा, तो वह भागा और रोया। कौशल्या ने सुमित्र को आते देखा। एक हाथ दीजिए। मैं गाड़ी में बैठ गया।

884. वे पहले ट्रेन में कहाँ पहुँचे?

जे. कौसल्य, सुमित्र, कैका और भरत शत्रुघ्न कुछ लाख की सेना के साथ गंगा पहुंचे।

885. कौन जानता था कि वह आ रहा है? जे. गुफा

886. गुफा में रहने वाले व्यक्ति ने अपने मंत्रियों के साथ बैठक में किस बारे में बात की?

जे. गुफा। उन्होंने एक बैठक की। "आप इस गीत को जानते हैं। चालाक्या ने ही अपने भाई रमैया के राज्य पर कब्जा किया था और भरत अपनी चतुरंग सेना के साथ उसे वश में करने के लिए आया था। मजिली ने ऐसा किया। "तुम मेरे दोस्त नहीं हो, तुम मेरे दोस्त हो। इसलिए मैं कहता हूं कि इसमें कोई नुकसान नहीं है। हमें मौका नहीं मिलता। "उन्होंने कहा।

887. उन्होंने मंत्रियों से क्या कहा?

जे. भरत की सेना ने गंगा को पार नहीं किया। हमारे सब मुँह मांस और सड़ी हुई वस्तुओं से भर दो, ताकि वे वहाँ से न गुज़रें। इसके अलावा, उन सैनिकों को गुप्त रखें जो पूरे समय सशस्त्र हैं। "इसी तरह," "अगर भरत हमारी इच्छा के अनुसार रमैया

अमरनाथ अमर

को मारने आता है, तो हम उसे और उसकी सेना को गंगा में डुबो कर मार देंगे।" या फिर... अगर हम भाई रमैया को देखना चाहते हैं, तो आइए हम गंगा पार करें और उनसे प्रार्थना करें। "गुहा ने कहा।

888. गुफा को सबसे पहले किसने देखा था? जे. सुमंत्र

889 है। सुमंत्र ने भरत से क्या कहा?

जे. "चलो! राम के मित्र निषादपति गुहा आपसे मिलने आ रहे हैं। वह जानता है कि वह कहाँ है। और यह बात हर कोई जानता है। उसे आशीर्वाद दें और उससे प्यार करें। "उन्होंने कहा।

890। भालू ने क्या कहा?

जे. "आपको यह राज्य राजा दशरथ के कारण मिला है, और मुझे संदेह है कि आप अपनी संतुष्टि के लिए राम को मारने आए हैं या राम से मिलने आए हैं। बताइए, आप यहाँ क्यों आये हैं? "उन्होंने पूछा।

891. भरत का क्या जवाब था?

जे. "मुझे तुम्हारे लिए खेद है, लेकिन मुझे पता है कि तुम निर्दोष हो। मैं इस गंगा को पार करके भारद्वाज के आश्रम जाना चाहता हूं और भगवान राम से मिलना चाहता हूं, जो उस आश्रम के पास हैं।

892. उन्होंने भरत से क्या पूछा?

जे. गुहा ने भरत से पूछा, "तुम राम से मिलने आए हो, और तुम्हारे पीछे इतनी सेना क्यों है?"

893. उन्होंने भरत से क्या कहा?

जे. भरत ने साफ मन से कहा, "किसी भाई द्वारा राज्य के लिए किसी भाई की हत्या करने की कोई दुर्भावना कभी न हो, और किसी भाई द्वारा केवल अपने भाई के चरणों में झुकने के बारे में सोचने का कोई शिष्टाचार न हो।" जब गुहा ने ये शब्द सुने तो उन्होंने कहा, "यह तुम्हारी बहन है जो इक्ष्वाकू के परिवार में पैदा हुई थी। मैं बहुत खुश हूं। अगर आप दोनों मिलते हैं, तो मैं आपसे मिलना चाहता हूं, मैं गंगा पार करके आपके साथ आ जाऊंगा। राम यहाँ लेट गए और मुझे उनके सिर पर बरगद का दूध डालने, ब्रैड पहनने और लिनन की साड़ियां पहनने के लिए कहा।

894. उसने क्या माँगा?

जे. पति जी। उन्होंने गुह से गंगा पार करने की प्रार्थना की। उन्होंने अपना हाथ पकड़ लिया और भारद्वाज के आश्रम में लाए जाने की विनती की।

895। भरत ने गुहा से राम के बारे में क्या पूछा?

जे. "दोस्त! यह पहले बता दीजिए। कल रात कहाँ सोया था? आपने क्या खाया? हमारी माँ कहाँ है? तुम्हारे भाई ने क्या किया? आपने इसे कैसे खर्च किया? "भरत ने पूछा।

896. सवाल का जवाब क्या है?

जे. उन्होंने भरत द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों का उत्तर दिया।

अमरनाथ अमर

बहुत कुछ पूछने पर वह उसके साथ गया और भरत को वह जगह दिखाई जहाँ सीताराम सोया था। भरत उस जगह को देखकर रो पड़ा।

897. राम के बारे में सुनकर भरत ने क्या वादा किया था?

जे. "भरत ने कहा," "मैं अब से 14 साल तक जिद नहीं करूंगा।" मैं स्कर्ट और कपड़े पहनती हूं। मैं रसभरी और शहद भी खाऊंगा। " भरत लिनन की साड़ियां पहनकर तुरंत उस जमीन पर लेट गए, जिसके बगल में उस रात राम सो रहे थे।

नोटः-अगली सुबह सभी लोग गंगा पार करके बाहर चले गए।

898. भरत का परिवार गंगा पार करके कहाँ पहुँचा?

जे. वे प्रयाग पहुँचे।

899. है। प्रयागवान से आश्रम की ओर कौन गया?

जे. भारद्वाज आश्रम।

900. है। भरत ने अपने अनुचरों को क्या करने का आदेश दिया?

जे. उन्होंने अपनी सेना और दल को क्रोशेडू से कुछ दूरी पर भारद्वाज आश्रम में रुकने का आदेश दिया।

901. उन्होंने भरत से क्या पूछा?

जे. "नैना! आपकी माँ से किए गए वादे के अनुसार, आपके पिता ने राम को जंगल में भेज दिया। राम बिना कुछ कहे जंगल से चले गए। लेकिन क्या आप उसे बचाने के लिए इतनी दूर जाना चाहते हैं? क्या सेना इसी के लिए है? "उन्होंने कहा।

902. भरत का क्या जवाब था?

जे. 'महाराज! मैं किसी भी पाप के बारे में नहीं जानता सिवाय इसके कि मैं एक का पुत्र हूं। आप तीन हैं। हालाँकि, अगर आपको मेरे बारे में इस तरह के संदेह हैं, तो ऐसा लगता है कि मेरे जन्म का कोई अर्थ नहीं है। "उन्होंने कहा।

903. भरत ने भरत से क्या पूछा?

जे. "मुझे बताओ, राम कहाँ है? मैं जाकर उस आदमी से पूछूंगा। "भरत ने कहा।

904. भारद्वाज ने अपने आश्रम में किसे आमंत्रित किया था?

जे. भरत के मंत्री ने जागीरदारों, कर्मचारियों और सेना को हमारे आश्रम में रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया।

905. भारद्वाज के आश्रम में आने वाले देवता कौन थे?

जे. उन्होंने विश्वकर्मा, इंद्र, यम, वरुण और कुबेर देवताओं का आह्वान किया।

906. भारद्वाज ने देवताओं से क्या प्रार्थना की?

जे. 'हे भगवान! मैं भरत के दल के लिए एक अभूतपूर्व रात्रिभोज का आयोजन करने जा रहा हूं। आपको उन सभी का निर्माण करना होगा। रात के खाने के लिए आपको जो भी खाना चाहिए उसे साथ लेकर आएं।

अमरनाथ अमर

907. भारद्वाज के आश्रम में देवताओं द्वारा क्या व्यवस्था की गई थी?
जे. देवताओं ने सारी व्यवस्था की। जंगल में अनगिनत इमारतें, तंबू, महल, कुएं, भोजन, दूध, पानी, पेय, फलों का रस, चंदन, फूल, फल, केक और बिस्तर थे।

908. भरत का मंदिर किसने बनवाया था? जे. विश्वकर्मा

910 है। मंदिर में किसने प्रवेश किया?
जे. भरत, अपने पुजारी वशिष्ठ, अपने छोटे भाई शत्रुघ्न और अपनी माँ के साथ मंदिर में प्रवेश किया।

911. किसने किसकी सेवा की?
जे. ब्रह्मलोक की महिलाएं और कुबेर द्वारा भेजी गई महिलाएं भरत की सेवा करने लगीं।

912. है। शादी का जश्न कैसे शुरू हुआ?
जे. भरत के पूरे परिवार ने अपनी पसंद का खाना खाया और पिया। अपने पसंदीदा कपड़े पहनें। ठंडक महसूस हो रही थी। फूल मुरझा जाते हैं। लपेटा हुआ।

913. है। रात के खाने के लिए क्या है?
जे. वे चिल्ला रहे थे कि वे दंडक या अयोध्या आएंगे। वह भारद्वाज के मंदिर में रहेंगे।

914 है। भरत ने भारद्वाज से कौशल के बारे में क्या कहा?
जे. "इस माँ ने सुमित्र का हाथ पकड़ा हुआ है,

अमरनाथ अमर

जो शेर की तरह चल सकती है, अदिति ढाडानी कन्नट्टू रामचंद्रुडु कन्नथल्ली, मेरी माँ कौसल्या। "उन्होंने कहा।

915. भरत ने भारद्वाज से सुमित्र के बारे में क्या कहा था?

जे. सुमित्र बहादुर और पराक्रमी लक्ष्मण शत्रुघ्न की माँ हैं।

916 है। भरत ने भारद्वाज से कैका के बारे में क्या कहा?

जे. उन्होंने कहा, "यह कैकेयी मेरी माँ है, जो राम के जंगल में निर्वासन का कारण है, जिसका अपने बंधे हुए पति की मृत्यु का बुरा इतिहास है, जो हमेशा तरसता और क्रोधित रहता है।

917. है। भारद्वाज ने भरत से कैका के बारे में क्या कहा?

जे. भारद्वाज ने भरत से कहा, "यह सच है कि यही राम के वनवास का कारण है। लेकिन जब तक राम वन में नहीं जाते, तब तक देवताओं और ऋषियों की रक्षा संभव नहीं है। इस प्रकार देवताओं ने कैकेय को निर्देश दिया कि राम को जंगल में जाना चाहिए। इसलिए कुछ भी गलत न करें।

918. चित्रकूट पर्वत कहाँ है?

जे. यह मंदाकिनी नदी के दक्षिणी तट पर स्थित है।

919. सीताराम लक्ष्मण कहाँ रहते हैं?

जे. सीताराम लक्ष्मण मंदाकिनी नदी और चित्रकूट के बीच रहते हैं। भवनों का निर्माण हो रहा है।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

नोटः भारद्वाज महर्षि का कहना है कि राम ने आश्रम का निर्माण कराया था।

भारद्वाज महर्षि के कहने पर सभी राम तक पहुँचने के लिए निकल पड़े।

920. है। जब भरत चित्रकूट पर्वत के पास पहुंचे तो उन्होंने वशिष्ठ से क्या कहा?

जे. महात्मा की इन परिस्थितियों को देखकर लगता है कि हम चित्रकूट पर्वत के पास आ गए हैं। वही नदी है। ऐसा माना जाता है कि बंदर इस पहाड़ पर घूमते हैं। "उन्होंने कहा।

921. भारत ने दुश्मन का क्या किया?

जे. "भाई, इस शांतिपूर्ण वातावरण को देखकर ऐसा लगता है कि यहाँ निश्चित रूप से ऋषि रहते हैं। अब हमें राम की तलाश करनी है। हमारे परिवार को चारों दिशाओं में जाने और राम का निशान खोजने के लिए कहें।

नोटः-सीताराम लक्ष्मण द्वारा चित्रकूट के पास परनासाला का निर्माण किए हुए एक महीना हो गया है। वे सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करते हैं। यह वह दिन है जब भगवान उनके पास आएंगे। इस दिन स्नान करने के बाद सीताराम चित्रकूट पर्वत की सुंदरता देखने जा रहे हैं।

922 है। राम ने क्या कहा?

जे. "सभी किन्नरा और विद्वान इस पहाड़ पर घूमते हैं।

अमरनाथ अमर

हम अभी यहाँ हैं। क्या आपको बहुत गर्व नहीं है? "राम ने पूछा। सीता ने मुस्कुराते हुए कहा। "बस इतना ही! उस नदी को देखो। नदी के दोनों किनारों पर रेत के उन टीलों को देखो, वे कितने सुंदर हैं! क्या आपने एक भालू देखा है? "
"राम ने पूछा।

923. है। क्या हुआ जब सीताराम भोजन कर रहे थे?

जे. खाना तैयार था। राम ने उसे खा लिया। आसमान धुएँ से ढका नजर आ रहा था। आवाज़ें बदबूदार थीं। शोरगुल से डरकर पक्षी और जानवर भाग गए। राम ने इसे देखा।

924 है। जब राम ने भयानक आवाज सुनी, तो उन्होंने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! ये तेज़ आवाज़ें और कराहने वाली आवाज़ें क्या हैं? जानवर और पक्षी क्यों उड़ते हैं? "ऐसा लगता है कि उसे कुछ समझ में नहीं आया। "क्या यह शेर है? या कोई राजा था? देखो! इसे देखो ", उसने कहा।

925. है। आवाज़ कहाँ से आ रही है? जे. उत्तर की ओर

926 है। लक्ष्मण ने उत्तर में क्या देखा?

जे. उसने उत्तर की ओर देखा। उन्होंने एक बड़ी सेना देखी। वह चैनल उस जगह की ओर बढ़ रहा है जहाँ वे हैं। लक्ष्मण चिंतित थे।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

927. है। लक्ष्मण ने राम से क्या कहा?

जे. "अन्ना! अपनी साली को धूम्रपान करने से पहले आश्रम में लगी आग बुझाने के लिए कहें। "सीता इस प्रयास में भाग गई। "रथों, घोड़ों और हाथियों के साथ एक बड़ी सेना हमारी ओर आ रही है। कुछ भी अच्छा है, साली सीतम्मा को गुफा में रहने के लिए कहें। "लक्ष्मण ने कहा। राम ने इसके बारे में सोचा। उन्होंने कहा, "आपको तुरंत मास्क पहनना चाहिए। युद्ध के लिए तैयार! इसके अलावा, सोचें कि क्या हम जहां हैं वहां से लड़ना बेहतर है या हम जहां हैं वहां से लड़ना बेहतर है। "लक्ष्मण ने कहा।

928. राम ने क्या कहा?

जे. "सबसे पहले, देखें कि सेना कौन है। "लक्ष्मण! "लक्ष्मण ने कहा। ये सभी अयोध्या के रहने वाले थे।

अयोध्या के लोगों को पहचानने वाले लक्ष्मण ने राम से क्या कहा? गुस्सा भड़क उठा। उन्होंने कहा, "अरे! यह हमारी सेना है! भरत सामने से आगे चल रहा है। "राम आश्चर्य में पड़ गया। 'भारत आपको और मुझे मारने आ रहा है, इसलिए नहीं कि वह दुश्मन को रखना चाहता है, बल्कि इसलिए कि उसने राज्य पर कब्जा कर लिया है। " लक्ष्मण ने कहा।

930. है। लक्ष्मण ने क्या प्रतिज्ञा की थी?

"अन्ना! मुझे नींद नहीं आ रही है। अपने तीरों

से मैं अपने भाइयों और बहनों और अपनी सेना को मार डालूंगा, और मैं आपको एक ही झटके में पूरी पृथ्वी दे दूंगा। यह मेरा वचन है ", लक्ष्मण ने कहा।

931 जब राम ने लक्ष्मण का क्रोध देखा तो उन्होंने क्या कहा?

राम ने लक्ष्मण के कंधे पर हाथ रखा और उन्हें अपने पास ले गए। "आप गलत हैं! भारत भगवान है। ऐसा लगता है कि उसे सब कुछ पता चल रहा है जो हुआ है, अपनी माँ को गाली देना, अपने पिता को समझाना, मुझे राज्य सौंपना। हम अब इन बंदूकों के साथ काम नहीं करते हैं। "राम ने कहा। यही लक्ष्मण है। उन्होंने तुरंत धनुष और तीरों को अपने स्थान पर सुरक्षित कर लिया।

राम ने लक्ष्मण को कैसे बताया?

जब लक्ष्मण उस पेड़ पर बैठे थे और भरत पर गुस्से में अपनी मुट्ठी पीट रहे थे, तो राम ने कहा, "अगर तुम शासन करना चाहते हो, तो मैं भरत को बताऊंगा और तुम्हें राज्य दूंगा।

933 .है। लक्ष्मण, जो अपने शब्दों से शर्मिंदा थे, ने राम से क्या कहा?

"अ! राजा दशरथ आपसे मिलने आए हैं। यहाँ जंगल में साली को पीड़ा होगी, और मेरे पिता उसे ले जाने के लिए आएंगे।

934 .राम ने लक्ष्मण से क्या कहा जब उन्होंने सेना को अपनी ओर आते देखा?

ए. राम, जो तब तक बैठे थे, ने एक बार ऊपर उठकर

सेना की ओर देखा और कहा, "मुझे अपने पिता के कंधे पर एक सफेद छतरी दिखाई देती है, लेकिन मुझे उस कंधे पर एक सफेद छतरी नहीं दिखाई देती है।

935. है। भरत ने वशिष्ठ से क्या कहा, जो सीताराम और लक्ष्मण के पास आ रहे थे?

उ. भरत एक सेना और एक अनुचर के साथ पहुंचे। वह रुक गया। "महाराज! हमारे साथ हमारी माताओं के पास आओ। "उन्होंने कहा।

936. भरत ने शत्रुघ्न से क्या कहा?

उन्होंने अपने भाई को अपने साथ शामिल होने के लिए बुलाया। "चलो, हम सब यहाँ से चले जाएँ। कटोरियाँ रास्ता दिखाने से पहले चलती हैं। आप उनका अनुसरण करेंगे। मैं आपका अनुसरण करूँगा। मेरे रिश्तेदार मुझे फॉलो करते हैं। माताएँ, गुरूदेव, मंत्री और नागरिक नेता उनका अनुसरण करेंगे। "भरत ने कहा।

राम की खोज में भारत की सेना किस पेड़ के नीचे आई?

सब लोग एक पेड़ के नीचे आ गए।

938. साल के पेड़ के नीचे रहने वालों ने क्या देखा?

हवा में धुआं निकलता देखा गया।

939. जब भरत ने हवा में धुआं उठते देखा तो उन्होंने क्या सोचा?

उ. भरत ने सोचा कि यहाँ कोई आश्रम है और वह आश्रम भगवान राम का हो सकता है।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

940. है। गुहा ने भरत से क्या कहा?

पूरा परिवार पेड़ों के बीच से गुजर रहा है। उन्होंने पुराने घर देखे। धुआं निकलते हुए भी देखा गया। "बस इतना ही! श्री राम के साथ भी ऐसा ही है। "गुहा भरत के पास गए और खुशी से कहा।

941. भगवान राम भरत को कैसे प्रकट हुए?

जे. यदि सीता लक्ष्मण उस मंच के सामने बैठे हैं जहाँ आग की लपटें उठ रही हैं... राम बीच में दिखाई देते हैं। राम तुम्हारे साथ है। वह भेड़ियों के साथ है। उन्होंने हिरण की खाल पहनी हुई थी।

942. भगवान राम कैसे दिखते थे?

जे. राम ने राम की ओर देखा। उसने दस्ताने पहने हुए थे। वह परेशान हो जाता है। वह धूल में डूबा हुआ था। राम को गुस्सा आता है।

943. भारत को देखकर आदिवासियों ने क्या कहा?

जे. जब इतनी बड़ी सेना तुरंत जंगल में आई, तो इलाके में रहने वाले सभी आदिवासी वहां इकट्ठा हो गए और कहा, "यह वह भाई है जो बीच में डेरा डाले हुए है, वह राजा है, वह अपने पिता की बात कहने के लिए जंगल में आया है, कोई राज्य नहीं है, भाई उस भाई को ले जाने आया है।

944. भगवान राम ने क्या माँगा?

जे. "यह क्या है? तुम यह पोशाक क्यों पहन रहे हो? "राम ने पूछा।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

945. है। राम ने भरत से उसके माता-पिता के बारे में क्या पूछा?

जे. "सत्य, धर्मपरायण, पुण्यमूर्ति के पिता कैसे हैं? क्या वे सुरक्षित हैं? आप हमेशा उनकी सेवा करने के लिए भाग्यशाली हैं। क्या पुजारी स्वस्थ हैं? वे जो कहते हैं वह करना हमारे लिए अच्छा है। पिन्नम्मा और कैकम्मा को बताने के बाद मैं कहने आया कि मुझे एक पल के लिए भी घर में नहीं रहना चाहिए। मैं अपनी माँ को फिर कभी नहीं देखूंगा। क्या वह ठीक है? "राम ने पूछा।

946. भरत ने राम से क्या कहा, जिन्होंने उन्हें राजनीति सिखाई थी?

जे. यह सुनकर राम कहते हैं, "हनुमान! मुझे खुशी है कि आपने मुझे यह सब बताया। लेकिन आप मुझसे क्यों कहते हैं कि राजा को ये सभी गुण, ये सभी गुण चाहिए, और मैं राजा नहीं हूं, मैं हमेशा के लिए राजा नहीं हूं। लेकिन भाई, हमारे परिवार में परंपरा के अनुसार, केवल वही मुकुट पहनाया जाना चाहिए जो सबसे बड़े बेटे के रूप में पैदा होता है। यही एकमात्र धर्म है जिसे मैं जानता हूं। जब तुम मुझसे बड़े हो, तो मुझे धर्मों को जानने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए मुझे इसके बारे में कभी पता नहीं चला। "उन्होंने कहा।

947. दशरथ की मृत्यु के बारे में राम को किसने सूचित किया?

जे. भारत

948. दशरथ की मृत्यु के बारे में सीता को किसने सूचित किया?

जे. राम।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

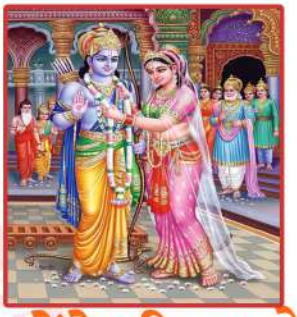

949. जब राम ने दशरथ की मृत्यु की खबर सुनी, तो उन्होंने सीता को क्या कहा?

जे. "वह आया और कुछ बोला। सीता! तुम्हारे पिता मर चुके हैं। लक्ष्मण, तुम्हारे पिता मर चुके हैं। चलो एक सैर के लिए चलते हैं कि हमें जीवन में कभी नहीं चलना चाहिए।

950. है। भगवान राम ने क्या माँगा था?

जे. "जब उनके प्रियजन बलिदान देते हैं तो मृतक कितने खुश होते हैं! आप अपने पिता से बहुत प्यार करते हैं। यही तो मैं कह रहा हूँ! सबसे पहले, बलिदान को पिता पर छोड़ दें और उसे शुभकामनाएं दें। "पति ने पूछा।

951. क्या कहा था भगवान राम ने?

जे. "नैना! आप और आपके भाई शत्रुघ्न अपने पिता का अंतिम संस्कार करने के लिए भाग्यशाली थे। मैं और लक्ष्मण दुर्भाग्यशाली हैं। हमारा कोई भाग्य नहीं था। "उन्होंने कहा।

952. है। भगवान राम ने किस नदी में स्नान किया था?

जे. मंदाकिनी नदी

953. है। स्नान करने के बाद राम कहाँ गए?

जे. दक्षिण दिशा

954. राम ने नदी से पानी लेकर दशरथ की क्या पूजा की?

जे. "पिता जी! ये जल जो मैं तुम्हें दूंगा, पिता की दुनिया

अमरनाथ अमर

के सभी सुख आपके हों। "उन्होंने कहा। उन्होंने हार मान ली।

955. राम ने अपने पिता को किस पदार्थ से गर्भवती किया?

जे. राम गरपिंडी और गेंदे से बने भ्रूण ले गए।

956 है। बच्चे के जन्म के समय राम ने क्या कहा था?

जे. 'महाराज! मनुष्यों द्वारा देवी-देवताओं को अपना भोजन चढ़ाने की प्रथा है। और मैं उसी के अनुसार काम कर रहा हूं। मैं आपको गेहूं के ये दाने दे रहा हूं जो हमारे लिए भोजन हैं। इसे स्वीकार करें "।

957. है। भगवान राम ने भगवान भरत से क्या कहा?

जे. "भाई! मुझे कभी राज्य नहीं चाहिए था। मुझे नहीं पता कि मेरी माँ ने क्या कहा। मुझे यह देश नहीं चाहिए। केवल आप ही इस राज्य को सहन कर सकते हैं, मैं इसे सहन नहीं कर सकता, इसलिए इतने सारे नागरिक, लोग आदि। आ चुके हैं। इसलिए, कृपया इस राज्य को स्वीकार करें।

958. भरत के शब्दों पर राम की क्या प्रतिक्रिया है?

जे. हमारे पिता वही हैं जो यह तय करते हैं कि हमें कहाँ होना है। उसने मुझे 14 साल तक जंगल में रहने और आपसे राज्य छीनने के लिए कहा। जो मैं तुम्हें देता हूँ वह ले लो, और जो तुम मुझे दोगे वह मैं ले लूंगा। और हमारे पिता ने हमें जो दिया है उसे बदलने का हमें कोई अधिकार नहीं है।

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

नोटः-राम पहुँचने की जल्दबाजी में, भरत शत्रुघ्न परिवार के बाकी सदस्यों से आगे आ गए।

959 .है। कौसल्या ने जब सुमित्र को जंगल में पैरों के निशान देखे तो उससे क्या कहा?

"सुमित्र! ये हमारे पदचिह्न हैं! इस जंगल में और कोई नहीं है! वे तीनों कैसे रहते हैं? यहाँ सभी कदम हैं! उनके इतने सारे कदम यहाँ देखे जाते हैं कि ऐसा लगता है कि लक्ष्मण स्वयं इस बंदरगाह से पानी लेकर आश्रमनी जा रहे हैं।

राजकुमार के रूप में आपको कितना कष्ट होता है? "काव्या रो पड़ी।

960. है। दशरथ को चढ़ाए गए भ्रूण को देखने के बाद कौसल्य ने वशिष्ठ से क्या कहा?

"महाराज! क्या आपने मेरे प्रभु द्वारा मेरे पिता को अर्पित किए गए इन भ्रूणों को देखा है? राजकुमार राम द्वारा सम्राट के पिता को दिए गए इस खराब भोजन को देखने के लिए मैं अभी भी जीवित हूं। अरे वाह! कर्म "।

नोटः मैंने राम को देखा है। "" "राम", "उसने हाथ हिलाया।" जब माताएँ आईं, तो राम हाथ जोड़कर उनसे मिलने के लिए दौड़े। वह अपनी मां के चरणों में झुक गया। 'नाना'। उसने उसे गले लगाया और उसकी पीठ को चूमा। उन्होंने लक्ष्मण को भी गले लगाया और रो पड़े। 'अत्तय्या' ने सीता को दौड़ते हुए देखा।

अमरनाथ अमर

तीनों रानियों ने ताली बजाई। सीता एक फूल की तरह है। मैंने इसे करीब ले लिया। चुंबन के साथ गले लगाया। उन्होंने अपना सिर झुकाया और उसका शोक मनाया।

961. है। सीता ने क्या कहा?

जे. "वह एक राजा की बेटी है। दशरथ दामाद हैं। मां वीरता को दिया गया नाम है, राम की पत्नी होने के नाते, आप कितना पीड़ित हैं। "कौसल्या ने कहा।

962 है। सीता को देखने के बाद सुमित्र कौशल्या का क्या हुआ?

जे. "आप इसे कैसे देखते हैं? यह एक प्रयुक्त स्पंज की तरह है। यह एक दर्पण की तरह है। "सुमित्र।

963. है। जब राम ने भरत को अपने सामने बैठे देखा तो उनसे पूछा, "यह क्या है?

जे. "भाई! आपने ये लिनन, ब्रैड और हिरण की खाल क्यों पहनी थी? तू यहाँ क्यों आया है? "उन्होंने कहा।

964. है। उसने क्या जवाब दिया?

जे. "मैं क्या कहूँ? वादा निभाते हुए, मेरे पिता ने आपको जंगल में भेज दिया। उस दर्द से उनकी मौत हो गई। और मेरी माँ... वह इन सभी समस्याओं का कारण है। वह इस पाप के लिए विधवा हो गई थी। सब स्तब्ध रह गए। मेरी क्या हालत है? मैंने तुम्हें जंगल में भेज दिया। मैं इस दर्द को बर्दाश्त नहीं कर सकता। "भरत ने कहा।

अमर

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

965. है। राम ने भरत की इच्छा को क्यों अस्वीकार कर दिया?

जे. उन्होंने कहा, "मेरे पिता ने कुछ गलत नहीं किया। मेरे पिता, जो मुझे राजा बनाना चाहते थे, के पास मुझे जंगल में भेजने का अधिकार था। हमें अपनी मां का उतना ही सम्मान करना चाहिए जितना हम अपने पिता का करते हैं। और मेरे माता-पिता बहुत अच्छे हैं। मेरी इच्छा उनकी है। ऐसा नहीं है कि राज्य को स्वीकार करना मेरे लिए धर्म नहीं है। "राम ने कहा।

966. है। क्या कहा था भगवान राम ने?

जे. "मेरी माँ ने मेरे पिता से राज्य ले लिया और मुझे दे दिया, जैसा कि आपने मुझे करने के लिए कहा था। अब मुझे पता है कि यह गलत है। यह जानते हुए मैं तुम्हें राज्य देने आया हूँ। मैं अपनी माँ का इंतजार नहीं करती। नहीं कहा जा सकता। माँ को मत बताना। राज्य को प्राप्त करें। "भरत ने गणमान्य व्यक्तियों से पूछा।

967. है। राम ने क्या जवाब दिया?

जे. "आपको लगता है कि मेरे निर्वासन का कारण हमारे माता-पिता हैं। नहीं नहीं! यह सब ईश्वर की देन है। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। अगर हम सोचते हैं और तर्क करते हैं, तो हमें महान चीजों के बारे में सोचना चाहिए, लेकिन हमें अन्य चीजों के बारे में सोचने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, "भगवान राम ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी सोच अलग है और उनका तर्क अलग है।

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

968. भरत ने राम से आखिरी बात क्या कही थी?

जे. "मैं आनन्दित होऊँगा कि आपको राज्य प्राप्त हुआ है। मैं आपके साथ अयोध्या वापस आ जाऊंगा। अगर आप इसे स्वीकार नहीं करेंगे, तो मैं अयोध्या वापस नहीं जाऊंगा। "भरत ने कहा।

नोटः मैंने देखा कि क्या हुआ। इस पर वह रो पड़े। उसे कौसल्या और सुमित्र ने सांत्वना दी।

969. है। एक पिता को अपने बेटे को बुरी ताकतों से बचाना चाहिए। "यह किसने कहा? जे. लड़का

970. है। वह लड़का कौन है? जे. गुयू मणिपुर के एक गंधर्व राजा थे।

971. राम ने भरत से गैया के शब्दों के बारे में कैसे बात की?

जे. "भाई! क्या आप यह जानते हैं? पिता की इच्छा पूरी होनी चाहिए। उसे अपने बेटे से बचाने की जरूरत है। राम भरत को बताते हैं कि गायू ने तब कहा था कि पुत्र को 'पुत्र' कहा जाएगा।

972. है। ये शब्द किसने कहे?

जे. उन्होंने यह बात अपने माता-पिता की उपस्थिति में कही।

973. है। राम और भरत की बातचीत सुनने कौन आया था?

जे. देवता, महर्षि आदि। भगवान राम और भरत के बीच चल रही इस धार्मिक बातचीत को सुनने के लिए आए और खड़े हुए।

974. कौन भारत का समर्थन कर रहा है? जे. सूची

975. किसकी है सूची? जे. जबली राजपुरोहित

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

976. राम से कौन नाराज है? जे. सूची
977 है। राम को क्या हुआ?

जे. "हे रामचन्द्र! मुझे समझ में नहीं आता कि आप यह सब कैसे जानते हैं। बार-बार, हे पिता, उसकी आज्ञाओं से, तुम भटकते नहीं हो। पिता कौन है? किसका बेटा है? क्या दुनिया में कोई ऐसा रिश्ता है जहाँ कोई अकेला रहता है? रास्ते में कई लोग मिलते हैं। दोस्त बनें और एक साथ आराम करें। फिर से! यह किसका रास्ता है? और मेरी माँ, पिता और भाइयों ने भी ऐसा ही किया। रिश्ते जीवन भर के लिए होते हैं। जीवन के अंत में, रिश्ते समाप्त हो जाते हैं।

"तुम्हारे पिता की मृत्यु हो चुकी है। वह पार्टी में शामिल हो गए। तुम्हारा अब उसके साथ कोई रिश्ता नहीं है। जो लोग धर्म के अर्थ के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, वे उस मेहनत में अपना जीवन समाप्त कर लेते हैं। आप जैसे लोगों को क्या कहना है जो प्रत्यक्ष सुख नहीं बल्कि अप्रत्यक्ष सुख चाहते हैं? यदि आप पीड़ित हैं, तो आपको 'पागल' कहा जाना चाहिए।

"तपस्या, यज्ञ, दान, श्राद्ध कर्म... ये सब किसी और से पैसे मांगने के अलावा नहीं किया जाना है। ज़रा सोचिए! इससे बेहतर कोई मौका नहीं है। भरत खुश हो जाता है। न करने के लिए। राज्य को प्राप्त करें। देवी सीता के साथ सभी सुखों का आनंद लें। "उन्होंने कहा। उन्होंने समझदारी से नास्तिकता को राम से पहले रखा।

अमरनाथ अमर

राम को कोई परवाह नहीं थी। बोलते-बोलते वह चुप हो गया।

978. रामू ने क्या कहा?

जे. 'जलेबी! आपके शब्दों को सुनकर अच्छा लगा। लेकिन, यह अवैध है। उन्हें स्वीकार करना असंभव है। आप धार्मिक नहीं हैं। यह वर्षों से स्पष्ट है। अपने वचनों पर विश्वास करते हुए, और पिता को दिए गए वचन पर नहीं, और एक राजा होने के नाते, आप लोगों को कल किस चेहरे के साथ धार्मिकता सिखाएंगे? क्या यह सबसे अच्छा तरीका है? यदि राजा एक धार्मिक व्यक्ति और नास्तिक है और सिखाता है कि कोई ईश्वर और कोई स्वर्ग नहीं है, तो क्या कल के लोग इसे स्वेच्छा से लागू करेंगे? अगर, वास्तव में, पापों को ढक दिया जाता है, तो क्या मुझे राजा के रूप में परिणाम भुगतने होंगे? "राम ने पूछा।

979 . है। रामू ने क्या कहा?

जे. "मैं सच्चा हूँ। मैं इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि भरत ने आज बात की है, वह नहीं जो उन्होंने अपने पिता से कहा था। हमारा देश कर्मों की भूमि है। मैं इस धरती पर पैदा हुआ था। मैं कर दूँगा। राजा। एक शिक्षक से अधिक। आपने यह बदतमीजी कैसे की! आप नहीं, बल्कि आपके पिता जिन्होंने आपको जन्म दिया। "राम ने कहा।

980 .है। उसने क्या माँगा?

जे. वह राम के चरणों में गिर गया। "मैं नास्तिक हूँ! यदि नहीं, तो

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

आप क्या चाहते हैं कि कल का राज्य क्या हो, यदि भारत या मैं राज्य को अस्वीकार करते हैं? अराजकता हुई तो क्या अयोध्या का नाम गायब हो जाएगा? यही कारण है कि मैं आपके सामने नास्तिकता रखता हूं, अगर आपके दिमाग में दर्द होता है तो मुझे माफ कर दें। "उन्होंने कहा।

981. राम और जबली की बातचीत के बीच में कौन बोल रहा था?

जे. स्पष्ट उत्तराधिकारी

982. है। उसने राम से क्या कहा?

जे. "हे राम! जबली ने आपको राजा बनाने के लिए नास्तिकता की, लेकिन वह नास्तिक नहीं है। उसे क्षमा कर दीजिए। "उन्होंने कहा।

983. है। वसिष्ठ ने राम को क्या करने का आदेश दिया?

ए. "मैं मनु के समय से ही आपके कबीले का शिक्षक रहा हूँ। मैं आपके सभी परिवारों से प्यार करती हूं। वह आपके परिवार में सबसे बड़ा बेटा है। उस प्रथा के अनुसार, आपको राजा होना चाहिए। आपको राज्य पर शासन करना होगा। "व्यास ने कहा।

वशिष्ठ को राम का क्या जवाब था?

मेरी राय में, माता-पिता शिक्षकों से बेहतर हैं। मेरे पिता मेरी माँ से बड़े हैं। मैंने उनसे जो कहा, मैं उस पर कायम हूं। मैं राज्य को स्वीकार नहीं करूंगा। अगर इन शब्दों से आपको चोट लगी है तो मुझे खेद है। मैं इस बहस और चर्चा को बर्दाश्त नहीं कर सकता।

अमरनाथ अमर

"राम ने कहा। अंत में उन्होंने कहा कि उन्हें अपने फैसले पर कोई पछतावा नहीं है।

985. है। भरत ने अपने शब्दों को राम तक कैसे पहुँचाया?

ए. भरत ने सुमंत्र को बुलाया और कहा, "दर्भ लाओ और यहाँ आओ, मैं राम के सामने अपने चेहरे पर एक कपड़ा लेकर बैठूंगा, बिना कुछ देखे" (पहले, अगर राजा ने कोई गलती की होती, तो धर्म को छोड़कर, ब्राह्मण राजा के सामने एक कपड़ा लेकर बैठते थे, ताकि राजा को अपनी गलती बता सकें) फिर तुरंत सुमंत्र ने दरभंगा को रखा, उन पर भरत ने अपने चेहरे पर कपड़ा पहन रखा था।

986. है। भरत द्वारा किए गए कार्य के बारे में राम ने क्या कहा?

ए. "क्या आप मुझे इस तरह से सीमित कर सकते हैं, भरत, आप यह कहते हुए दहलीज पर बैठे हैं कि मैंने क्या गलत किया है? एक ब्राह्मण इस तरह बैठता है, आप ब्राह्मण नहीं हैं, आप क्षत्रिय हैं। इस तरह बैठना आपकी पहली गलती है। अगर मेरे साथ कुछ भी गलत नहीं है, तो यह आपकी दूसरी गलती है। इसलिये उठ और अपने किए हुए पापों से पश्चाताप कर और धर्मी मनुष्य के पास जा।

987 है। भरत ने अपने अनुचरों से क्या कहा?

"राम चाहे कुछ भी कहें। तो मैं भी यहाँ राम के साथ रहूंगा, नहीं तो राम मेरे बजाय राज्य पर शासन करेंगे, और मैं जंगलों में रहूंगा।

राम ने लोगों से क्या कहा?.. ".. प्यारी! मेरे पिता के शब्द जब वे जीवित थे। मुझे बचना है। भाई भरत को राज्य स्वीकार करना चाहिए। अब उन्हें नजरअंदाज करना सही नहीं है। प्रतिनिधियों की नियुक्ति तभी की जाती है जब कोई विचलन न हो और हमें सत्ता नहीं चाहिए। विज्ञान भी इससे सहमत है। मैं सभी लाभों का हकदार हूं। मेरा बोझ लड़के भरत को सौंपना उचित नहीं है। "उन्होंने कहा।

989. जिन ऋषियों ने राम को भरत से कहते सुना, उन्होंने क्या कहा?

जवाबः "यार! यदि आप चाहते हैं कि आपके पिता को सबसे अच्छी दुनिया मिले, तो राम के कहने के अनुसार करना बेहतर है। जैसे राम अपने पिता का ऋण चुकाने के लिए निर्वासन में जाते हैं, वैसे ही आपको भी राज्य पर शासन करना चाहिए। जान लें कि आपके पिता स्वर्गीय आनंद का आनंद तभी लेंगे जब आपके दो भाई कैकम्मा को दिए गए वरदान का भुगतान करेंगे। "उन्होंने कहा।

990. है। राम ने आखिरकार भरत से क्या कहा?

उत्तरः "यह चंदामामा से अलग हो सकता है। ग्लेशियर से बर्फ गायब हो सकती है। समुद्र को पार किया जा सकता है। राम ने अपने पिता से अपना वादा नहीं निभाया। मुझे समझिए। "राम ने अपनी आँखें बंद कीं और अपने निर्णय की घोषणा की।

991. भरत के मन में क्या था?भरत अयोध्या आना चाहते थे।

वसिष्ठ ने राम से क्या कहा? इस समय वशिष्ठ ने उठकर कहा,

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

"लेकिन राम, भरत इन 14 वर्षों तक आपके राज्य पर शासन करेगा और जब आप वापस आएंगे तो इसे आपको दे देगा।"

993. है। वसिष्ठ ने भरत से क्या कहा?

"अ! एक बार मैं राम के इन चरणों पर चढ़ गया। अब से ये पादुका अयोध्या पर शासन करेंगे।

994. राम से भारत का क्या मतलब था?

भरत ने राम से कहा, "इन सोने के आभूषणों पर पैर रखो और मुझे दे दो।"

995. भरत को जूते किसने दिए? सुमाला।

996. उस स्थिति में उनके लिए सोने के जूते कहाँ हैं?

वशिष्ठ त्रिकाल वेदी थे, और उन्हें पहले से पता था कि राम नहीं लौटेंगे। इसलिए वह सोना अपने साथ ले गया।

नोटः भरत ने सोने की चप्पलों को झुकाया और उन्हें राम के चरणों में रखा। फिर राम एक बार उन पर चढ़ गए।

997. है। भरत ने राम से क्या प्रतिज्ञा की थी?

ऐ अन्ना! छोटा! कृपया सुनिए! इन रेशों, जड़ों और हिरणों की त्वचा के साथ मैं बिल्कुल आपके जैसा हूं। मैं शहर के बाहर रहता हूं, आपकी तरह जड़ें और फल खाता हूं। आपके प्रतिनिधि के रूप में, मैं दीक्षा का समय इन पैदल सैनिकों के लिए राजा के शब्दों को सुनने और आपके आगमन के दिनों को गिनने में बिताऊंगा। अमरनाथ अमर

अगर आप समय सीमा के अगले दिन नहीं आते हैं, तो मैं आग में कूद जाऊंगा और जल जाऊंगा। "उन शब्दों ने मुझे आहत किया। "यह मेरी प्रतिज्ञा है। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो मैं आपका भाई नहीं बनूंगा।

998. राम ने भरत को क्या चेतावनी दी थी?

"ए! अगर आप कैकम्मा का अनादर करते हैं या उसे गाली देते हैं, तो मैं आपको शाप दूंगा, याद रखें। "उसने ऐसा सिर हिलाया जैसे उसने कोई गलती कर दी हो। "चलो चलते हैं", राम ने कहा। "मेरी माँ को ले लो। "उन्होंने मुझे आगाह किया।

नोटः-"जाओ", राम ने मंत्री के जागीरदारों और नागरिक गणमान्य व्यक्तियों को सलाम किया। उन सभी ने हाथ जोड़कर सीताराम लक्ष्मण को नमन किया। राम ने भी कौसल्य को अश्रुपूर्ण विदाई दी। श्री राम के चरणों को कुंभस्थल पर रखते हुए और रेशम के हाथी के सामने चलते हुए... हर कोई उसका पीछा करने लगा। सीतालाक्ष्मण अपने रिश्तेदारों को देखते ही फूट-फूटकर रो पड़े। राम के हाथ बंधे हुए थे। आराम से, राम अपना सिर झुकाते हुए आंगन की ओर बढ़े।

भारत अपनी वापसी यात्रा में सबसे पहले कहाँ पहुँचा?

वे भारद्वाज आश्रम पहुँचे।

1000। भरत ने भरत से क्या पूछा?

क्या आपने राम को देखा है? क्या आपकी इच्छा पूरी हुई है? "महर्षि ने पूछा।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

1001. भरत का क्या जवाब था?

जे. "मैंने रोते हुए अपने भाई से मुझ पर से दोष हटाने और राज्य पर कब्जा करने की विनती की! हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। गुरूदेव सहमत नहीं हुए। अंत में, मैंने उनके सोने के आभूषणों को उनके प्रतिनिधियों के रूप में मान्यता दी। धन्य हैं "।

1002. भारद्वाज आश्रम से भरत का दल कहाँ पहुँचा?

जे. वे सभी गंगा नदी पार करके श्रृंगेरीपुरम पहुँचे।

1003. श्रीनगर में आप किससे मिले थे?

जे. गुफा।

1004. गुफा में अपने परिवार से मिलने के बाद भरत कहाँ गया?

जे. अयोध्या के लिए

1005. भारत के मन में क्या था क्योंकि अयोध्या कला से रहित था?

जे. जब राम ने अयोध्या छोड़ा तो राज्यलक्ष्मी भी उनके साथ गई।

1006. अयोध्या में भारत किससे मिला?

जे. उनके गुरु वशिष्ठ उनकी माताओं और ब्राह्मणों से मिले।

1007. है। उसने क्या फैसला किया?

जे. भरत ने अयोध्या से दूर रहने का फैसला किया।

1008. क्या कहती हैं भारत माता?

जे. "महाराज! मैं अपने पिता के बिना शहर में नहीं रह सकता। मुझे सरयू तट के पास के गाँव में रहने की अनुमति दें।

अमरनाथ अमर

मैं वहाँ उसका इंतजार करूँगा। "मंत्री ने जागीरदारों से भी यही बात कही और उनसे प्रार्थना की।

1009. है। उसके साथ कौन गया था? जे. दुश्मन।

1010 है। भारत ने किस शहर में भगवान राम के सोने के जूतों से शासन किया था?

जे. नंदीग्राम में

1011. उन्होंने अपने पीछे आने वाले लोगों से क्या कहा?

जे. "सज्जनों! यह परमेश्वर का राज्य है! उन्होंने अपने आने तक मुझे राज्य दिया। इन जूतों को उनके प्रतिनिधियों के रूप में आशीर्वाद दिया गया था। ये वही लोग हैं जो शासन करते हैं। "उन्होंने कहा।

1012 राम ने सीता से क्या कहा जब उन्हें भरत के शासन के बारे में पता चला?

राम को पता चला कि भरत सरकार को सुचारू रूप से चला रहे हैं। "मेरे भाई एक से अधिक हैं। "सीता ने कहा।

1013 मिलापवाले तम्बू में कौन आया था? ए. ऋषियों ने

1014. परनासाला के पास के जंगल का नाम क्या है?

ए. दंडकारण्य

1015. ऋषियों ने राम से क्या कहा?

"इस जंगल में राक्षस हम पर हमला कर रहे हैं। हमें कई तरह से प्रताड़ित किया जाता है। हम इस दर्द को बर्दाश्त नहीं कर सकते।

इसलिए हम सुरक्षित स्थान पर जा रहे हैं। "ऋषि ने कहा।

1016. राक्षसों का घर क्या है? जे. लोगों की जगह

1017. नेता कौन है? जे. खरदा

1018. वह कौन है? जे. रावण का भाई

1019. ऋषियों से किसने पूछा कि राक्षस कहाँ रहते हैं?

जे. लक्ष्मण

1020. सभी ऋषियों में से एक वृद्ध ऋषि ने राम से क्या कहा?

जे. "राम! यहाँ अकेला रहना आपके लिए अच्छा नहीं है, चाहे आप बहादुर हों या शक्तिशाली। राक्षसों के हमले से पहले बेहतर होगा कि आप यहाँ से चले जाएँ। अगर आपको कोई आपत्ति नहीं है, तो आप हमारे साथ आ सकते हैं। "ऋषि ने कहा।

1021. राम ने क्या किया?

जे. "हमें पहले क्यों नहीं बताया? "उन्होंने पूछा।

1022 है। राम की क्या प्रतिक्रिया थी?

जे. "राजाओं। आपदा। वे जंगल में रहते हैं। हम ये सारी बातें पहले से नहीं कहना चाहते थे और आपको पीटने की धमकी नहीं देना चाहते थे। यह मुश्किल था। इसलिए मैंने कुछ नहीं कहा। अगर मैं गलत हूं तो क्षमा करें। "उन्होंने कहा।

नोटः-राम लक्ष्मण ने ऋषियों की उतनी नहीं सुनी जितनी वे उन राक्षसों को मारना चाहते थे। चूहे वहाँ नहीं रहना चाहते थे।

अमरनाथ अमर

वे चले जा रहे थे। उन्होंने राम की बात नहीं सुनी। दूर चला गया। उनका अनुसरण न करें। राम ने कुछ दूरी तक उनका पीछा किया और पीछे मुड़ गए। वह मौके पर पहुंचे।

1023 है। सीतारामलक्ष्मी के चित्रकूट पर्वत छोड़ने का क्या कारण था?

जे. राम के लिए चारों ओर देखना और किसी अन्य व्यक्ति को न देखना मुश्किल था। वह भरत के दल के आने-जाने और आसपास की गंदगी को बर्दाश्त नहीं कर सके। जितनी जल्दी हो सके वहाँ से चले जाना ही सबसे अच्छा था। सीता लक्ष्मण के साथ। राम ने मंदिर छोड़ दिया।

1024. चित्रकूट के पहाड़ों से भगवान राम किसके आश्रम तक पहुँचे?

जे. आत्रिमहरिशी

1025 है। महर्षि अत्री कौन हैं? जे. ब्रह्मा के पुत्र

1026. अत्री महर्षि की पत्नी कौन है? जे. अशुभ।

1027 है। अत्री ने महर्षि अनसूया देवी से क्या कहा?

जे. "हे भगवान! यह तो है! आपका पसंदीदा। जानकी देवी। "उन्होंने कहा। अनुषा ने अपनी आँखों में देखा।

1028. महानता क्या है?

जे. अनसूया बहुत बढ़िया है। अनसूया, महान तपस्वी जिन्होंने गंगा को दस साल तक बहाते रखा और इस देश को गंभीर अकाल से बचाया। दस लंबे वर्षों के लिए धन्यवाद।

देवताओं की इच्छा के अनुसार, उन्होंने दस रातों को एक रात में बदल दिया ताकि सूरज न उठे।

1029 है। अनसूया को क्या हुआ?

जे. "तुम एक माँ हो जो जेल में अपने पति के साथ पीड़ित है! एक पत्नी को अपने पति का सम्मान करना चाहिए, चाहे वह गरीब पुरुष हो या गरीब महिला। उसके अतिरिक्त कोई ईश्वर नहीं है। "यह पागलपन है।

1030 है। सीता को क्या हुआ?

जे. "मुझे पता है कि यह तपस्या की तरह है। सौभाग्य से मेरे लिए, मेरे पति अच्छे स्वभाव के, अच्छे स्वभाव के, कानून का पालन करने वाले, अपने माता-पिता से प्यार करने वाले और स्वभावपूर्ण हैं। मुझे नहीं पता कि उनकी सेवा करना कैसा होता है, सिवाय एक आनंद के। "सीता ने कहा।

1031. अनसूया द्वारा सीता को दिए गए उपहार क्या हैं?

जे. आस-पास, साड़ी, चंदन के मसाले और फूल चढ़ाओ। "ये सभी अद्भुत उपहार हैं। इन फूलों का उपयोग नहीं किया जाता है। हिम्मत न हारें। बस इतना ही! बदबू न आए। जब आप उन्हें पहनेंगे तो आप अपने रब से हमेशा प्यार करेंगे। "यह अवास्तविक है।

1032. राम ने सीता से क्या कहा?

जे. "सिया! आपको महान उपहार मिले हैं जो किसी और को

नहीं मिले हैं।

1033. सीता ने अनसूया को क्या समझाया?

जे. सीता ने अनसूया को अपनी जन्म कथा, अपने पिता जनकमहाराज के बारे में, भगवान शिव के राम के साथ विवाह के बारे में समझाया।

नोटः-उस रात अत्रि महर्षि के आश्रम में यह अतीत है, यह अतीत है। सीताराम लक्ष्मण संध्यावंदन पूरा करने के बाद वहाँ से चले गए। ऋषियों ने दिशा-निर्देश मांगे। हम कहाँ जाएँगे? पूछा गया। "आप यहाँ से जहाँ भी जाते हैं, यह एक आशीर्वाद है! रेगिस्तान में आपका प्रवेश, जो दुष्टों, भयानकों और राक्षसों की भूमि है, परमेश्वर की ओर से एक संकेत है। जाओ, आओ। "ऋषि ने कहा। अयोध्या का अंत

Sri. Chinna.c. Amaranath
Punganur(Pulinadu),Chittoor-517247
Andhra pradesh
South India
Mobile:- 9596483440
Email:-
BHAGAVATHAMAR@GMAIL.COM

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड प्रश्न और उत्तर

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड - प्रश्न और उत्तर

Ramayanam

अमरनाथ अमर